राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 21 जनवरी-2022 वर्ष-4,अंक-359 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

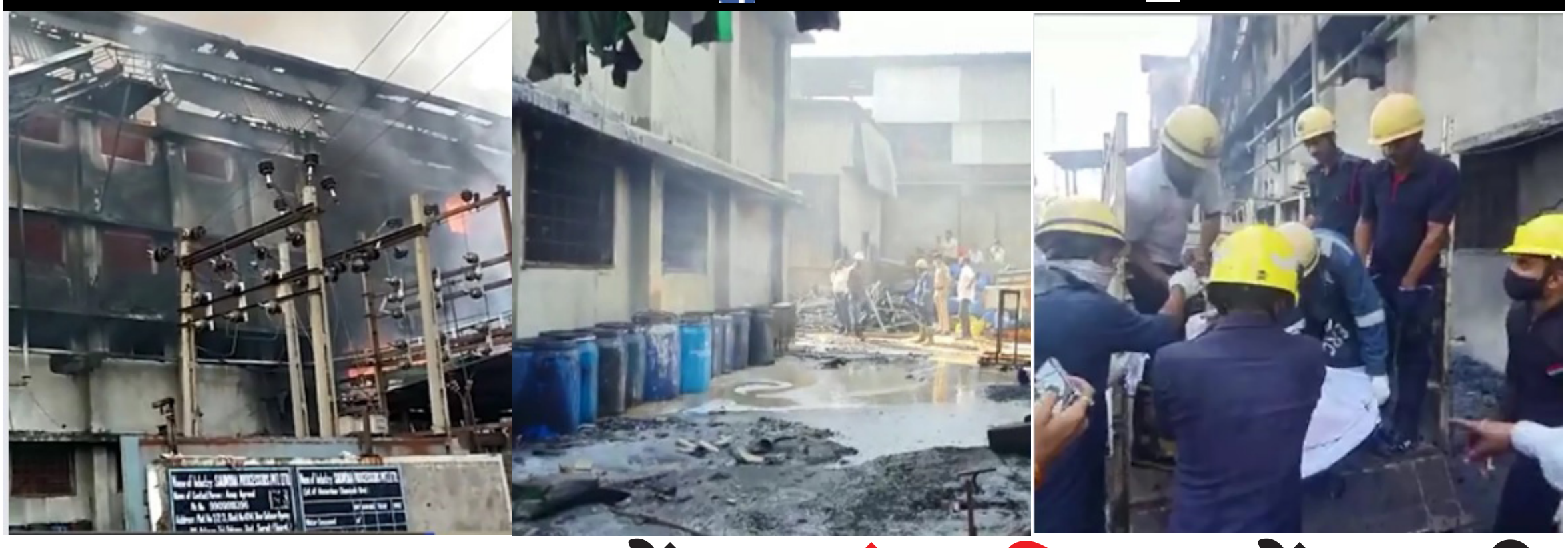

गुजरात सूरत में डाइंग मिल में लगी भीषण आग तीन की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,गुजरात में सूरत शहर के पलसाणा इलाके में एक बड़ी दुर्घटना सामने आई है। यहां एक डाइंग मिल में गुरुवार को लगी भीषण आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गयी। डिवीजनल अग्निशमन अधिकारी विजयकांत बी तिवारी ने बताया कि सौम्या प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड में पहली मंजिल पर तड़के अचानक आग लग गयी। सूचना मिलते ही दमकल की 18 गाड़ियों के साथ दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। आग काफी भयंकर थी। जिसे काबू पाने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने करीब सात घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि अभी भी धुएं को कूलिंग करने में तीन से चार घंटे लग सकते हैं। गुजरात में सूरत शहर के पलसाणा इलाके में एक बड़ी दुर्घटना सामने आई है। यहां एक डाइंग मिल में गुरुवार को लगी भीषण आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गयी। डिवीजनल अग्निशमन अधिकारी विजयकांत बी तिवारी ने बताया कि सौम्या प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड में पहली मंजिल पर तड़के अचानक आग लग गयी। सूचना मिलते ही दमकल की 18 गाड़ियों के साथ दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। आग काफी भयंकर थी। जिसे काबू पाने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने करीब सात घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि अभी भी धुएं को कूलिंग करने में तीन से चार घंटे लग सकते हैं। कूलिंग के दौरान सामान के नीचे दबे तीन लोगों के शव बाहर निकाले गए, जबकि वहां काम कर रहे अन्य कर्मचारी आग लगते ही तुरंत सुरक्षित मिल से बाहर निकल आए थे। पुलिस ने भी मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, लतौना दक्षिण पंचायत के मटकुरिया वार्ड सात में मंगलवार की रात एक घर में आग लगने से लगभग पचास हजार से अधिक के सामान जलकर राख हो गए। आग में झुलस कर तीन बकरियों की मौत हो गई, जबकि एक गाय और बछड़ा भी झुलस गया है। बताया जाता है कि सुरेंद्र सरदार के घर में अलाव जल रहा था। रात लगभग 11 बजे अलाव से घर में आग लग गई। घर में आग लगा देखकर गृहस्वामी के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। गृहस्वामी सुरेन्द्र सरदार ने बताया कि अगलगी में कपड़ा, पशुचारा, खाद, नगद पांच हजार रूपए जल गया। उन्होंने बताया कि वह त्रिवेणीगंज में ठेला चला कर परिवार का भरण पोषण करता है। गृहस्वामी ने सीओ को आवेदन देकर मुआवजा देने की मांग की है।

शादी की लालच देकर युवक ने विवाहिता से किया दुष्कर्म,

तलाक के बाद युवक ने शादी से इंकार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, शहर के सरथाणा क्षेत्र में शादी की लालच देकर युवक ने विवाहिता के साथ अनेकों बार दुष्कर्म किया। पति को जब पत्नी के नाजायज संबंधों को पता चला तो उसने तलाक दे दिया। तलाक के बाद विवाहिता ने युवक से जब शादी करने को कहा तो उसने इंकार कर दिया। आखिरकार विवाहिता ने युवक के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। सूरत के सरथाणा क्षेत्र में 28 वर्षीय महिला पति और दो संतानों के साथ रहती थी। विवाहिता के पड़ौस में सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र के शिवधारा एपार्टमेंट रहनेवाला राहुल जवाणी नामक युवक अक्सर आया जाया करता था। जहां विवाहिता का राहुल जवाणी के साथ परिचय हुआ और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जो प्यार में बदल गई। एक दिन राहुल जवाणी ने विवाहिता को शादी की लालच देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। ऐसा एक बार नहीं कई दफा हुआ। एक दिन पति को पत्नी के नाजायज संबंधों का पता चल गया, जिसके बाद दोनों के बीच आए दिन लड़ाई-झगड़ा शुरू हो गया। तंग आकर दोनों ने डिवोर्स ले लिया। डिवोर्स के बाद विवाहिता ने जब राहुल जवाणी से शादी की बात की तो उसने इंकार कर दिया।

शादी की लालच देकर कई दफा दुष्कर्म करने वाले राहुल जवाणी के इंकार से विवाहिता टूट गई और उसके खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।

डम्पर की चपेट में आई बाइक चालक की घटनास्थल पर मौत, डम्पर का ड्राइवर गिरफ्तार

सूरत, शहर के डिंडोली बस स्टेन्ड के निकट बेलगाम डम्पर चालक ने मोटर साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची डिंडोली पुलिस ने डम्पर चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली क्षेत्र के सनसिटी रॉ हाउस में रहनेवाले 45 वर्षीय श्रीराम महाजन नामक व्यक्ति इलेक्ट्रिक का छोटा-मोटा काम कर परिवार की गुजर बसर करता था। गुरुवार की सुबह श्रीराम महाजन अपने काम के लिए घर से रवाना हुआ था।

करीब 9 बजे के आसपास श्रीराम महाजन मोटर साइकिल पर डिंडोली बस स्टैन्ड के निकट से गुजर रहा था। उस वक्त तेज रफ्तार डम्पर ने श्रीराम महाजन समेत मोटर साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में श्रीराम महाजन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद आसपास के लोगों के घटनास्थल पर जमा होने से डम्पर चालक वहां से भाग नहीं पाया। खबर पाते ही डिंडोली पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और डम्पर चालक को गिरफ्तार कर लिया। घटनास्थल पर पहुंचे मृतक परिजन आक्रंद करने लगे। मृतक श्रीराम महाजन की दो संतानें हैं। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई

''आप'' को एक और बड़ा झटका, पार्टी की गांधीनगर जिला प्रमुख समेत कई भाजपा में शामिल

गांधीनगर,गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले एक ओर आम आदमी पार्टी (आप) जहां संगठन को मजबूत करने के प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर उसके नेता और कार्यकर्ता पार्टी से किनारा कर रहे हैं। कुछ दिन पहले उत्तर गुजरात के मशहूर गायक विजय सुवाला, अहमदाबाद शहर प्रमुख नीलम व्यास और सौराष्ट्र के बड़े हीरा कारोबारी महेश सवाणी ने आप से पार्टी को अलविदा कर दिया था। विजय सुवाला और नीलम व्यास भाजपा में शामिल हो गईं। लेकिन महेश सवाणी ने अब तक किसी पार्टी में जुड़ने के बारे में कुछ बोल नहीं रहे। इन सबके बीच आज आम आदमी पार्टी की गांधीनगर जिला प्रमुख सावित्री शर्मा समेत अनेक नेता और कार्यकर्ताओं ने भाजपा का भगवा धारण कर लिया।

आप के गांधीनगर जिला की प्रमुख अपने समर्थकों के साथ भाजपा प्रदेश मुख्यालय कमलम पहुंचे, जहां डॉ. ऋत्विज पटेल ने सभी का पार्टी में स्वागत किया।

बता दें कि गुजरात में नगर निगमों के चुनाव में सूरत को छोड़ आम आदमी पार्टी को कहीं सफलता नहीं मिली। पिछले साल गांधीनगर कॉर्पोरेशन के चुनाव में भी आम आदमी पार्टी के खाते में केवल एक सीट आई थी। गांधीनगर कॉर्पोरेशन के चुनाव में करारी हार के बाद आप के ज्यादातर नेता और कार्यकर्ता निष्क्रिय हो गए थे। इसी का असर था जो पहले विजय सुवाला, नीलम व्यास और महेश सवाणी ने आप से किनारा कर लिया। आज आप की गांधीनगर जिला प्रमुख सावित्री शर्मा समेत उनके कई समर्थकों ने भाजपा जॉइन कर ली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

नम्रता का ढोंग नहीं चलता, न सादगी का। - महात्मा गांधी

संपादकीय

मुआवजे की अनदेखी

अनेक राज्यों में कोरोना से मरने वालों के परिजनों को मुआवजा नहीं मिलने का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचना और उस पर कोर्ट की नाराजगी हर लिहाज से वाजिब है। कोर्ट ने आदेश के बावजूद कोविड-19 पीड़ितों के परिजनों को मुआवजा नहीं देने पर बिहार और आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव को तलब किया। कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि वे कानून से ऊपर नहीं हैं। न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने कहा कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव को कारण बताना चाहिए कि अनुपालन न करने के लिए उनके खिलाफ अवमानना कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। यह वाकई बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुआवजा देने के लिए बार-बार निर्देश के बावजूद सरकारें पर्याप्त सचेत नहीं हैं। राज्यों को गंभीरता से इस शिकायत पर ध्यान देना चाहिए, ताकि कोर्ट यह न कहे कि राज्य सरकारें उसके आदेश की पालना के प्रति गंभीर नहीं हैं। अव्वल तो सुप्रीम कोर्ट ने वैसे ही बहुत कम मुआवजा तय किया है, महज पचास हजार रुपये का भुगतान राज्य सरकारों को करना है। कोरोना इलाज में कितना खर्च हुआ है, यह किसी से छिपा नहीं है। मध्य प्रदेश के एक किसान की जान तो आठ करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी नहीं बची। राज्य सरकारों को विशेष रूप से जवाबदेह होना चाहिए। जो लोग सक्षम हैं, उन्हें भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। लोककल्याणकारी सरकारों के दौर में तो मुआवजा उन लोगों को भी मिलना चाहिए था, जिनके लाखों रुपये अपनी जान बचाने में लग गए। यह सरकारों के लिए मुफीद है कि उन्हें ठीक होने वालों को कोई मुआवजा नहीं देना है। मुआवजे का दावा केवल वही लोग कर रहे हैं, जिन्होंने परिजन खोए हैं। ऐसे लोगों को न्यूनतम मुआवजे का भी भुगतान नहीं करना कोर्ट के आदेश की अवज्ञा नहीं, तो क्या है? सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल सही कहा है कि लोगों को भुगतान न करने का कोई औचित्य नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने इससे पहले भी कई सरकारों को मुआवजा देने का निर्देश अलग से दिया है, फिर भी अनेक राज्य हैं, जो ढिलाई बरत रहे हैं। दरअसल, मुआवजा देने को लेकर इतने तरह के नियम-कायदे राज्य सरकारों ने बना रखे हैं कि वास्तविक हकदार भी कागजी खानापूर्ति नहीं कर पाने की वजह से मुआवजे से वंचित रह जा रहे हैं। कोरोना के समय चूंकि राज्य सरकारों ने आंकड़ों को दुरुस्त नहीं रखा है, इसलिए और परेशानी आ रही है। खास तौर पर आंध्र प्रदेश को देखिए, यहां कोरोना से केवल 14,471 मौतें दर्ज हैं, जबकि लगभग 36,000 दावे प्राप्त हुए हैं और सिर्फ 11,000 मामलों में मुआवजा दिया गया है। बिहार सरकार के आंकड़ों पर भी सर्वोच्च न्यायालय में सवाल खड़े हुए हैं। बिहार में कोरोना से मौत के12,090 मामले दर्ज हुए हैं, जबकि 11,095 दावे मिले हैं और 9,821 मामलों में मुआवजा दिया गया है। मौत के दर्ज मामले और मुआवजे के दावे में अंतर भारतीय राज्यों में सामान्य है। निचले स्तर के कर्मचारियों ने मौत के आंकड़ों को दुरुस्त रखने के लिए कुछ भी खास नहीं किया है। ऐसे कर्मचारी भी बड़ी संख्या में हैं, जो मुआवजे के हकदार लोगों को दौड़ा रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों के रहते, जाहिर है, बड़े अधिकारियों को सर्वोच्च न्यायालय के कठघरे में खड़ा होना पड़े, तो क्या आश्चर्य?

भारत की जवाबी परमाणु नीति के मायने

जी. पार्थसारथी

भारत की परमाणु प्रति-चेतावनी उपायों की एक खासियत इस पर गोपनीयता बरतने की रही है। यह आवश्यक भी है क्योंकि भारत के परमाणु अस्त्र और मिसाइल कार्यक्रम में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र, मसलन, डीआरडीओ, परमाणु ऊर्जा विभाग, अकादमिक संस्थान और व्यावसायिक संगठनों के वैज्ञानिक एवं इंजीनियरों की प्रतिबद्धता जुड़ी है। भारत के परमाणु कार्यक्रम पर दुनियाभर के विशेषज्ञों की टोही नजर लगातार बने रहना स्वाभाविक है, जैसे कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट, यूके, फ्रांस, रूस के संगठन और फिर चीन और पाकिस्तान की खास नज़र तो रहती ही है। जहां भारतीय वैज्ञानिक बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षणों पर न्यूनतम जानकारी वाले वक्तव्य देते हैं, वहीं अमेरिकी प्रकाशन जैसे कि बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट और मैक्आर्थर फाउंडेशन सरीखे संगठनों की पत्रिकाओं में भारतीय परमाणु अस्त्र और अणु कार्यक्रम के बारे में तफ्सील होती है। यह लेख, अध्ययन सावधानीपूर्वक खोजपरक और सत्यापना युक्त होते हैं। रोचक यह कि उक्त जानकारी भारत में समय-समय पर छपे लेखों से कुछ खास अधिक नहीं होती। बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट के मुताबिक, भारत के पास 150-200 परमाणु अस्त्रास्त्र बनाने लायक मात्रा का संवर्धित प्लूटोनियम है और तैयार हथियारों का अनुमानित भंडार लगभग 150 है। फिर भारत के पास फास्ट ब्रीडर एवं अन्य प्लूटोनियम रिएक्टरों के बूते परमाणु हथियार ग्रेड परमाणु पदार्थ बढ़ाने की क्षमता भी है। कुख्यात रहे पाकिस्तानी परमाणु वैज्ञानिक डॉ. एक्यू खान के मुताबिक, पाकिस्तान ने चीन को यूरेनियम संवर्धन की सेंट्रीफ्यूगल तकनीक दी थी, जिसकी जानकारी उन्होंने 1970 और 1980 के दशक में यूरोप में काम करते वक्त चुराई थी। बदले में, चीन ने पाकिस्तान को परमाणु अस्त्रास्त्र लायक स्वदेशी यूरेनियम संवर्धन करने की तकनीक साझा की थी। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने इस घटनाक्रम को जानबूझकर अनदेखा किया था क्योंकि तब वे 1978 में चीनी नेता देंग शियाओ पिंग की वाशिंगटन यात्रा के दौरान दिखाए दोस्ताना रवैये से अभिभूत हो चुके थे। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस इंस्टिट्यूट (सिपरी) के आकलन के अनुसार, आज की तारीख में चीन के पास कोई 350 परमाणु अस्त्र हैं, पाकिस्तान की संख्या 165 है, तो भारत के पास 156 आणविक मिसाइलें हैं। भारत ने थलीय मिसाइलों के परीक्षणों के अलावा लगभग एक महीने पहले अपनी तीसरी परमाणु पनडुब्बी को सेवारत किया है, जो कि 8 बैलेस्टिक मिसाइलों से लैस है। इससे पहले वाली दो पनडुब्बियों में, प्रत्येक में 4 बैलेस्टिक मिसाइलें तैनात हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में अब भारत के पास मिसाइलें पाइपनुमा मौसम-रोधी सील युक्त डिब्बों में रखकर एक से दूसरी जगह पहुंचाने की काबिलियत भी है। यह नई सुविधा हाल ही में परीक्षणों से गुजरी है और 5000 किमी. तक मार करने वाली अग्नि-पी और अग्नि-वी समेत तमाम अन्य मिसाइलों के लिए उपयुक्त है। अनेकानेक अध्ययनों में भारत की आणविक मिसाइलें दागने की क्षमता में फ्रांस निर्मित मिराज़-2000 और राफेल विमानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है। चीन ने पाकिस्तान को परमाणु हथियार और कई दूरियों वाली मिसाइलें बनाने का डिज़ाइन दिया है। उसने पाकिस्तान को जो मिसाइलें दी हैं, उनमें कम दूरी (320 किमी.) की गज़नवी से लेकर 2500 किमी. तक मार करने वाली शाहीन-2 और 2780 किलोमीटर रेंज वाली शाहीन-3 शामिल हैं। मजेदार यह कि चीन ने आणविक-अस्त्रों का जो डिज़ाइन पाकिस्तान को दिया है, वह वही है जो एक्यू खान ने लीबिया और इराक जैसे इस्लामिक देशों से भी साझा किया था। भारत अब तक तीन परमाणु-शक्ति चालित पनडुब्बियां बना चुका है और चौथी अगले साल बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है। यह खबर भी है कि भारत में मल्टीपल वार-हैड युक्त मिसाइलें बनाने पर काम चल रहा है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 18 दिसंबर, 2021 को भारत ने अग्नि-पी मिसाइल का दूसरा परीक्षण अब्दुल कलाम रेंज नामक एकीकृत परीक्षण स्थल से किया है। इसका पहला टेस्ट जनवरी, 2020 में हुआ था। इससे भारत के लगातार बढ़ते परमाणु पनडुब्बी बेड़े में अग्नि-पी मिसाइलों की तैनाती की संभावना प्रशस्त हो गई है, जिसके पास पहले ही पनडुब्बियों से दागी जाने वाली अग्नि-5 और मल्टीपल वारहैड मिसाइलें हैं। रिवायती 'महान हान समुदाय श्रेष्ठता' से ग्रस्त चीन आगे भी दिखावा करता रहेगा कि उसे भारत के साथ परमाणु अस्त्रों पर कोई संवाद करने में दिलचस्पी नहीं है। इसी बीच भारत पनडुब्बी से दागी जा सकने और 3500 किमी. रेंज वाली के-4 मिसाइल विकसित कर रहा है। यह अंतर-मध्यम दूरी वाली अग्नि-3 का नौसैन्य रूपांतर है। के-4 के अनेक परीक्षण हो चुके हैं लेकिन तैनाती होना बाकी है। जनवरी, 2020 में इसका एक परीक्षण विशाखापट्टनम के तट से लगे समुद्र में जलमग्न पन्टून मंच से दागकर किया गया था। हालांकि डीआरडीओ ने इस टेस्ट की तस्दीक नहीं की थी, लेकिन अधिकारियों को उद्धृत करती मीडिया रिपोर्टों में इसके सफल रहने का दावा था। हालांकि पाकिस्तान ने कभी औपचारिक रूप से अपने परमाणु अस्त्र उपयोग सिद्धांत का खुलासा नहीं किया है, परंतु न्यूक्लियर कमांड ऑथोरिटी के सामरिक योजना विभाग के लंबे अर्से तक मुखिया रहे ले. जनरल खालिद किदवई ने वर्ष 2002 में इटली के लांडाऊ नेटवर्क के भौतिक वैज्ञानिकों को बताया था कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार 'केवल भारत को निशाना बनाने' हेतु हैं। किदवई ने आगे कहा कि यदि कभी भारत बड़े पाकिस्तानी हिस्से को जीत लेता है या हमारी थल और वायुसेना को भारी नुकसान पहुंचाता है या फिर पाकिस्तान की आर्थिकी का गला घोटे अथवा राजनीतिक रूप से अस्थिर करे, इन सूरतों में भी हम परमाणु हथियार इस्तेमाल करेंगे। वह शख्स, जो एक दशक से ज्यादा समय तक पाकिस्तान के परमाणु हथियार जखीरे का नियंता और बांग्लादेश लड़ाई में 1971-73 के बीच युद्ध-बंदी रहने के अलावा एक व्यावसायिक फौजी हो, उसका यह वक्तव्य पाकिस्तान के परमाणु मंतव्यों की रूपरेखा स्पष्ट करता है। चूंकि भारत का इरादा पाकिस्तान के साथ लंबा युद्ध चलाकर अपने स्रोतों का ह्रास करने का नहीं है और न ही घनी आबादी से पटे शहर कब्जाने की ख्वाहिश है, तथापि पाकिस्तान को मुगालता न रहे कि 26/11 जैसा हमला होने की सूरत में नया भारतीय नेतृत्व, गांधी के अहिंसावादी विचारों का नव-अनुगामी होने के बावजूद, आराम से बैठा रहेगा। अब यह एकदम साफ है कि दिवालिया हुए पाकिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठनों का भारी दबाव है, ऐसे में उसको भारत को अस्थिर करने की चाहत में आतंकवादियों की मदद जारी रखने से पहले सोच-विचार करना चाहिए। फिर, वह ड्यूरंड सीमा रेखा को मान्यता न देने वाली पश्तून आकांक्षा को तालिबान का समर्थन मिलने के मद्देनजर दूरंदेशी से काम ले। रोचक है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में कहा है कि बेशक भारत परमाणु हथियार पहले प्रयोग न करने वाली अपनी नीति पर कायम है, वहीं भविष्य में क्या होता है यह हालात पर निर्भर होगा। देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को चीन और पाकिस्तान से दरपेश दोहरी चुनौतियों का सामना करने के लिए विकसित की गई स्वदेशी मिसाइल एवं परमाणु क्षमता प्राप्त करने में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम एवं उनकी टीम के इंजीनियरों और परमाणु ऊर्जा विभाग के विशिष्ट साइंसदानों का योगदान सदा याद रखना चाहिए। साथ ही निजी क्षेत्र के उन लोगों का भी, जिन्होंने इस राष्ट्रीय प्रयास में गुप्त रूप से महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

समाज हित में सकारात्मक नतीजे की उम्मीद

अनूप भटनागर

इस समय पत्नी की मर्जी के बगैर उससे संसर्ग को अपराध घोषित करने की मांग और संबंधित कानूनी अपवाद का मुद्दा चर्चा में है। इससे संबंधित कानूनी प्रावधान की संवैधानिक वैधता पर दो-दो उच्च न्यायालय विचार कर रहे हैं। यह कानूनी प्रावधान भारतीय दंड संहिता की धारा 375 में प्रदत्त अपवाद-दो है। यह अपवाद संसर्ग संबंध में पत्नी को एक तरह से पति के अधीन करता है और यह पत्नी की इच्छा-सहमति के विरुद्ध उसके साथ जबरन सहवास को बलात्कार के अपराध से बाहर रखता है। भादंसं की धारा 375 में प्रदत्त यह अपवाद लंबे समय से विवाद का मुद्दा बना हुआ है और कई महिला संगठन वैवाहिक जीवन में पति को प्रदान किया गया यह विशेषाधिकार समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। विभिन्न संगठनों का यही तर्क है कि वैवाहिक जीवन में पति और पत्नी को कानून में समान अधिकार प्राप्त हैं तो फिर यौनाचार के संबंध में यह भेदभाव क्यों? दलील दी जा रही है कि यह अपवाद महिलाओं के गरिमा के साथ जीने के अधिकार का हनन करता है। हालांकि, पत्नी की मर्जी के बगैर उससे संसर्ग को बलात्कार के अपराध के दायरे में शामिल करने और इस अपवाद को खत्म करने के सवाल पर अभी तक कोई सुविचारित न्यायिक व्यवस्था नहीं है। लेकिन अब इस विषय पर गुजरात उच्च न्यायालय के साथ ही दिल्ली उच्च न्यायालय भी विचार कर रहा है। इस मामले की सुनवाई के दौरान तर्क दिया गया है कि हमारे देश का बलात्कार से संबंधित कानून यौन कर्मियों से भी जबरन यौनाचार या सहवास को अपवाद नहीं मानता है और उसे भी संसर्ग के लिए सहमति देने से इंकार का अधिकार प्राप्त है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक जीवन में पत्नी को संसर्ग के लिए सहमति देने से इंकार करने के अधिकार से कैसे वंचित किया जा सकता है या उसके साथ जबरन यौनाचार को अपवाद की श्रेणी में रखना किस तरह से उचित है। केन्द्र सरकार ने इससे पहले न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में वैवाहिक जीवन में पत्नी से जबरन संसर्ग को अपराध की श्रेणी में रखने से इंकार कर दिया था क्योंकि उसका विचार था कि ऐसा करने से वैवाहिक संस्था अस्थिर होगी और पतियों को परेशान करने के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल हो सकता है। लेकिन, लगातार बढ़ते दबाव के मद्देनजर इस संवेदनशील विषय पर लंबी टालमटोल के बाद अनमने ढंग से ही सही, लेकिन केंद्र सरकार अब हरकत में आयी है। केंद्र का कहना है कि इस विषय पर प्रधान न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों, राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं। केंद्र ने हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि वह बलात्कार के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 375 में संशोधन पर विचार कर रही है। लेकिन उसने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या पत्नी की मर्जी के बगैर उसके साथ यौनाचार को भी अब बलात्कार की श्रेणी में शामिल किया जाएगा या नहीं। केन्द्र के अनुसार सरकार आपराधिक कानून में व्यापक संशोधन पर विचार कर रही है और इसमें बलात्कार से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 375 भी शामिल है। सरकार का कहना है कि पेश मामले पर सरकार एक रचनात्मक दृष्टिकोण अपना रही है और उसने प्रधान न्यायाधीश, राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों, बार काउंसिल, सांसदों और दूसरे हितधारकों से सुझाव मांगे हैं। सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आखिर रचनात्मक दृष्टिकोण क्या है। लेकिन इस रूपरेखा से नहीं लगता है कि वह निकट भविष्य में धारा 375 के अपवाद-दो को कानून की किताब से निकालने की जल्दी में है। इस प्रक्रिया की समय सीमा भी स्पष्ट नहीं है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता राज शेखर राव को न्याय मित्र नियुक्त कर रखा है। राव का तर्क है कि धारा 375 की बुनियाद ही सहमति के बगैर संसर्ग पर आधारित है और इसलिए विवाहित महिला के साथ उसकी सहमति के बगैर सहवास के खिलाफ उसे कम संरक्षण प्रदान करने की कोई वजह नजर नहीं आती है। उनका यही कहना है कि धारा 375 में प्रदत्त अपवाद-दो मनमाना है और यह संविधान में प्रदत्त समता और गरिमा के साथ जीने के अधिकार से संबंधित अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करता है। धारा 375 के अपवाद-दो को समाप्त करने के लिए गैर-सरकारी संगठन आरआईटी फाउंडेशन, ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक विमेंस एसोसिएशन और अन्य ने याचिका दायर कर रखी है। इस प्रावधान को समाप्त करने के लिए दायर याचिका का विरोध करते हुए पुरुषों के कुछ संगठन भी मैदान में उतर आए हैं। इन संगठनों की दलील है कि पत्नी के साथ किसी प्रकार के भेदभाव का मुद्दा नहीं है बल्कि संसद ने तो भारतीय समाज के व्यापक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए ही इस अपवाद को कानून की किताब में रखा है। उम्मीद है कि विवाहित महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत महिला संगठनों व प्रगतिशील विचारकों और इसका विरोध कर रहे पुरुषों के संगठन की दलीलों के मंथन से निश्चित ही कोई न कोई ऐसा सकारात्मक नतीजा सामने आएगा जो समाज के हित में होगा।

आज के कार्टून

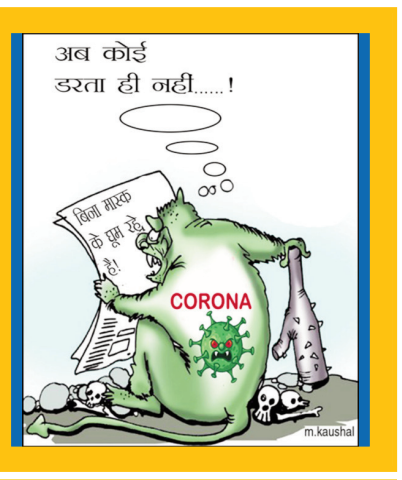

ईश्वर विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चोट खाया हुआ सांप आक्रमणकारी पर ऐसी फूंफकार मारकर दौड़ता है कि उसके होश छूट जाते हैं। सांसारिक व्यथाओं से विक्षुब्ध मनुष्य की भी ऐसी ही स्थिति होती है। जब मनुष्य को पीड़ाएं चारों ओर से घेर लेती हैं, कोई सहारा नहीं सूझता तो वह निष्ठापूर्वक अपने परमेर को पुकारता है। हार खाए हुए मनुष्य की कातर पुकार से परमात्मा का आसन हिल जाता है। उन्हें सारी व्यवस्था छोड़कर भक्त की सेवा के लिए भागना पड़ता है। ऐसा समय आता है जब मनुष्य संसार को भूलकर कुछ क्षण के लिए ऐसे दिव्य लोक में पहुंचता है, जहां उसे असीम सहानुभूति और शात शांति मिलती है। अंत:करण की समस्त वासनाएं विलीन हो जाती हैं, इंद्रियों की चेष्टाएं शांत हो जाती हैं। हिरण्यकश्यप की हठधर्मिता से दु:खी बालक प्रह्लाद ने उसे बार-बार पुकारा, उसका नारायण बार-बार उसकी मदद के लिए दौड़ा। मनुष्य बुलाए और वह न आए ऐसा कभी हुआ नहीं। द्रौपदी जान गई थी कि सभा में उसे बचाने वाला कोई नहीं है। दु:शासन चीर खींचता है। लाज न चली जाए, इस भय से निर्बल नारी दीनानाथ को पुकारती है। भगवान श्रीकृष्ण आते हैं और उसका चीर को बढ़ाते हुए चले जाते हैं। देवासुर संग्राम की कथाओं में ऐसे अनेक वर्णन हैं। बहुत से लोग हैं, जो ईश्वर और उसके अस्तित्व को मानने से इनकार करते हैं, पर यदि भली भांति देखा जाए तो मूढ़ताग्रस्त व्यक्ति ही ऐसा कर सकते हैं। एक बहुत बड़ा आश्चर्य हमारे सामने बिखरा पड़ा है। उसे देखकर भी जिसका विवेक जाग्रत न हो, कौतूहल पैदा न हो, उसे और कहा भी क्या जाएगा? पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कर रही है, यह दृश्य आप किसी अन्य ग्रह में बैठे देख रहे होते, तो समझते मनुष्य का अभिमान कितना छोटा है। विशाल ब्रह्माण्ड की तुलना में वह चींटी से भी हजार गुना छोटा लगेगा। अनंत आकाश और उस पर निरंतर होती रहती ग्रह-नक्षत्रों की हलचल, सूर्य, चन्द्रमा, सागर, पर्वत, नदियां, वृक्ष, वनस्पति, मनुष्य आदि के स्वयं के बदलते हुए क्षण क्या यह सब मनुष्य का विवेक जाग्रत करने के लिए काफी नहीं है? परमात्मा का अस्तित्व मानने के लिए क्या इतने से संतोष नहीं होता? विचारवान व्यक्ति कभी ऐसा नहीं सोचेगा। आदिकाल से लेकर अब तक जितने भी संत, महापुरुष हुए हैं और जिन्होंने भी आत्म कल्याण या लोक कल्याण की दिशा में कदम उठाया है, उन सबने परमात्मा-ईश्वर का आश्रय मुख्य रूप से लिया है।

सू-दोकू नवताल -2026

	4		7					3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1					6		9	

सू-दोकू -2025 का हल

4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2026

बायें से दायें:-

1. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-3
3. शशि कपूर की 'थोड़ा रुक जाएगी तो तेरा क्या जाएगा' गीत वाली फिल्म-3
5. फिल्म 'मॉनसून वेडिंग' के गीत 'आजा नच ले' के गायक का उपनाम-2
7. अनिल कपूर, विजया शांति की 'रामजी ने धनुष तोड़ा' गीत वाली फिल्म-3
8. फिरोज खान, संजय दत्त, मनीषा की फिल्म-4
10. सलमान अभिनीत 'सुनो गौर से दुनियां वालों' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ये मौसम भी गया' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
12. धर्मेन्द्र, हेमा की 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली फिल्म-2
13. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
16. अमिताभ, हेमा की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-3
17. 'गोरी जो मटके बालों को झटके' गीत वाली फिल्म-3
20. मिथुन, जूही चावला की 'स्वर्ग में मिलेंगी अप्सरा' गीत वाली फिल्म-4
21. 'मस्त बहारों का मैं आशिक' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-2
22. शाहरुख, माधुरी की 'सांसों की माला पे सिमरूं' गीत वाली फिल्म-3
24. 'मेरी मखना, मेरी सोणिये' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-4
26. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना कपूर की 'जब नहीं आए थे तुम' गीत वाली फिल्म-2
27. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली शाहरुख, ऐश्वरा की फिल्म-2
28. जयाप्रदा की 'उंगली में अंगूठी, अंगूठी में नगीना' गीतवाली फिल्म-1
29. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहैल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
30. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-2

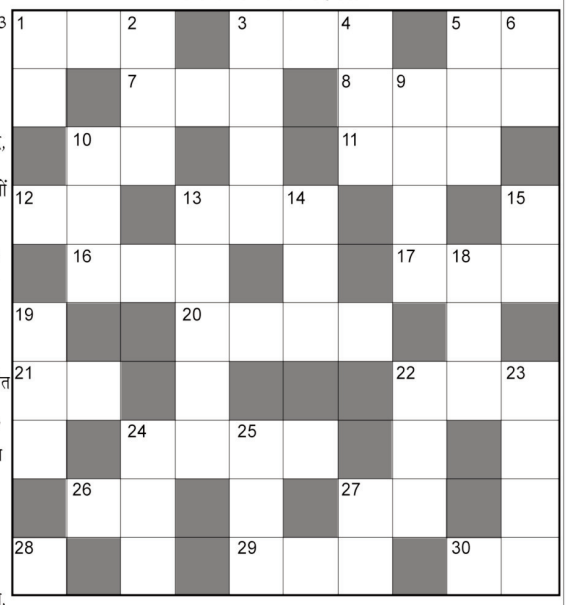

ऊपर से नीचे:-

1. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-2
2. 'दुनिया में क्या क्या होता है प्यारे' गीत वाली किरण कुमार, योगिता बाली की फिल्म-3
3. 'जरा तस्वीर से तू' गीत वाली फिल्म-4
4. 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, अक्षय खन्ना, रिमी सेन की 'चैन आप को मिला' गीत वाली फिल्म-3
6. 'सुन सुन बरसात की धुन' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट अभिनीत फिल्म-2
9. राजेंद्र कुमार, धर्मेन्द्र, माला सिन्हा, कुमकुम की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-4
10. सुष्मिता सेन की पहली फिल्मे-3
13. राजेश खन्ना, आशा पारेख की 'जिस गली मेरा तेरा घर न हो' गीत वाली फिल्म-2,3
14. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका-3
15. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की 'दो नैनों के पंख लगा कर' गीत वाली फिल्म-2
18. 'दिल ना किसी का जाए' गीत वाली सनी देओल, संजय, रवीना टंडन, दिव्या की बहुसितारा फिल्म-3
19. 'हम थे जिनके सहारे' गीत वाली फिल्म-3
22. गुलजार निर्देशित संजीव कुमार, जया भादुडी की जोड़ी वाली एक फिल्म-3
23. अमिताभ बच्चन, जीनत अमान की 'अपनी तो जैसे तैसे' गीत वाली फिल्म-4
24. 'तुम बिन जीवन कैसा जीवन' गीत वाली राजेश खन्ना, जया भादुड़ी की फिल्म-3
25. अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, सलमान खान, जॉन अब्राहम, रानी मुखर्जी की 'बेबसी दर्द का आलम' गीत वाली फिल्म-3
27. 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2025

चे	ह	ग		प्रे	म	पु	जा	री	
त		नी	ल	म		का	ल		दु
ना	म		क्ष्य		जो	र		मे	ला
	म	स्त		य	श		जू		ग
दा	ता		ल	की		श	ही	द	
स्ता		जी	व	न	धा	ग		स	जा
न	क्शा		र्स			बी	ना		ने
		ध		आ	शा		दा		म
मे	ह	र	बा	न		खा	न	दा	न
घा		ती		न्द		की		वा	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 634 , निफ्टी 181 अंक गिरा

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों के नीचे आने से आई है। जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पूंजी निकालने से भी बाजार धारणा पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 634.20 अंक करीब 1.06 फीसदी नीचे आकर 59,464.62 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 181.40 अंक तकरीबन 1.01 फीसदी फिसलकर 17,757.00 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.57 फीसदी की गिरावट बजाज फिनसर्व के शेयर में रही। इसके अलावा इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा, एचसीएल टेक, एचयूएल, डॉ. रेड्डीज, एचडीएफसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे आये है। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, मारुति और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर ऊपर आये हैं। इससे पहले सुबह एशियाई बाजारों में मिलेजुले रूख, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और इंफोसिस, एचसीएल टेक तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयरों के नुकसान से बाजार गिरावट के साथ खुला।सेंसेक्स में 160 अंक से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये। सबसे अधिक गिरावट इंफोसिस में हुई। इसके अलावा एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, एचडीएफसी तथा टीसीएस भी घाटे में थे। दूसरी तरफ पॉवरग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, टाइटन और एक्सिस बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे। पिछले सत्र में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 656.04 अंक की गिरावट के साथ 60,098.82 अंक पर बंद हुआ था। सात जनवरी के बाद सेंसेक्स का यह निचला स्तर रहा।

एक्टिविज़न ब्लिज़ार्ड को खरीदेगी माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन ने वीडियो गेम बनाने वाली एक्टिविज़न ब्लिज़ार्ड को 68.7 अरब डॉलर में खरीदने की योजना बनाई है। यह गेमिंग सेक्टर की अब तक का सबसे बड़ी डील है, जो कि पूरी तरह नगदी में होगी। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने कहा कि गेमिंग वर्तमान में सभी प्लेटफार्मों पर इंटरटेनमेंट में सबसे डायनेमिक और एक्साइटिंग कैटेगरी है और मेटावर्स प्लेटफॉर्म के डेवलपमेंट में यह अहम भूमिका निभाएगा। माइक्रोसॉफ्ट ने इसे खरीदने के लिए 95 डॉलर प्रति शेयर का ऑफर दिया है, जो एक्टिविज़न के शुक्रवार के बंद भाव से 45 प्रतिशत ज्यादा है। सीईओ बॉबी कोटिक डील के बाद भी एक्टिविज़न के सीईओ बने रहेंगे। यह सौदा ओवरवॉच और कैंडी क्रश जैसे गेम्स बनाने वाली कंपनी एक्टिविज़न के बुरे समय में आया है। डील की घोषणा से पहले कर्मचारियों के सेक्सुअल हैरेसमेंट जैसे विवादों के चलते पिछले साल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद से इसके शेयरों में 37 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। कंपनी अभी भी उन आरोपों का सामना कर रही है। कंपनी ने कहा कि उसने तीन दर्जन से ज्यादा कर्मचारियों को निकालने का फैसला किया है।

सिनाग्रो में 33 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी बंजी

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कृषि कारोबार से जुड़ी कंपनी बंजी ब्राजील स्थित सिनाग्रो में 33 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। सिनाग्रो भारत की एग्रोकैमिकल कंपनी यूपीएल लिमिटेड की सहायक कंपनी है। यूपीएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि यूपीएल लिमिटेड समेत सिनाग्रो के अन्य हितधारकों ने इस बाबत बंजी के साथ समझौता किया है। इसमें कंपनी ने कहा कि बंजी लिमिटेड ब्राजील में अपनी अनाज संबंधित रणनीति को मजबूत करने के लिए सिनाग्रो में 33 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। सिनाग्रो ब्राजील में अनाज और कृषि उत्पादों की पुनर्विक्रेता है।

वनवेब और ह्यूजेस ने भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवा देने किया समझौता

नई दिल्ली । भारती समूह द्वारा समर्थित कंपनी वनवेब और उपग्रह सेवा प्रदाता कंपनी ह्यूजेस नेटवर्क सिस्टम्स ने भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए छह वर्ष का रणनीतिक वितरण समझौता किया है। दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि ह्यूजेस और भारती एयरटेल का संयुक्त उपक्रम ह्यूजेस कम्युनिकेशंस इंडिया प्रालि (एचसीआईपीएल) भारत में सेवाएं प्रदान करेगा। कंपनियों ने इस बाबत समझौता ज्ञापन पर सितंबर 2021 में हस्ताक्षर किए थे। वनवेब ने बीते 27 दिसंबर को एक और उपग्रह प्रक्षेपित कर अपनी क्षमता में इजाफा किया था। वनवेब के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वनवेब भारत में गेटवेज और पीओपी जैसी अवसंरचना स्थापित करने के लिए निवेश करेगा।

सिटी बैंक ने वेदांता के 1,200 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली । सिटी बैंक ने खुले बाजार सौदे के तहत वेदांता लिमिटेड के करीब 1,200 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। बीएसई पर उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, वेदांता के 3.2 करोड़ शेयर 314.65 रुपए प्रति शेयर के औसत भाव पर बेचे गए। इस तरह सौदे का मूल्य 1,204.48 करोड़ रुपए होता है। बीएसई में वेदांता का शेयर बुधवार को 0.74 प्रतिशत के नुकसान के साथ 324.75 रुपये पर बंद हुआ।

दिल्ली सरकार ने ई-वाहन की खरीद को लेकर सीईएसएल से किया समझौता

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने ई-रिक्शा, तिपहिया और हल्के सामान ढोने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए कर्ज पर पांच प्रतिशत ब्याज सहायता देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की पूर्ण अनुषंगी सीईएसएल के साथ समझौता किया। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने इस अवसर पर कहा कि ब्याज सहायता योजना से न केवल व्यक्तिगत खरीदारों को लाभ होगा बल्कि ई-कॉमर्स, किराना सामान की डिलिवरी को लेकर वाहन सेवा देने वालों को भी फायदा होगा। दिल्ली परिवहन विभाग के उपायुक्त विनोद कुमार यादव और कनवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लि. (सीईएसएल) के प्रतिनिधि पी दास ने समझौता ज्ञापन पर दस्तखत किए। इस मौके पर गहलोत और परिवहन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। परिवहन विभाग ने एक बयान में कहा कि विशेष श्रेणी के इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए कर्ज पर पांच प्रतिशत ब्याज सहायता 30,000 रुपए के खरीद प्रोत्साहन और दिल्ली ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) नीति के तहत कबाड़ प्रोत्साहन के रूप में दी जाने वाली 7,500 रुपए की राशि के अतिरिक्त होगी। इसमें कहा गया है कि इस योजना के जरिये इलेक्ट्रिक तिपहिया और इलेक्ट्रिक हल्के वाणिज्यिक वाहन 25,000 रुपए तक का अतिरिक्त लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

डिजिटल भुगतान सितंबर 2021 में 40 फीसदी बढ़ा: आरबीआई

मुंबई ।

देश भर में डिजि0टल भुगतान सितंबर 2021 में सालाना आधार पर करीब 40 प्रतिशत बढ़ गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारि किए गए डिजिटल भुगतान आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2021 में सालाना आधार पर डिजिटल भुगतान सूचकांक (डीपीआई) बढ़ा है। इसके मुताबिक सितंबर 2021 में आरबीआई-डीपीआई 304.04 पर रहा जबकि मार्च 2021 में यह 270.59 और सितंबर 2020 में 217.74 पर रहा था। आरबीआई ने कहा कि डीपीआई सूचकांक से पता चलता है कि देश भर में डिजिटल भुगतान में तेजी से वृद्धि हो रही है। आरबीआई ने अपना डिजिटल भुगतान सूचकांक शुरू करते हुए मार्च 2018 को आधार वर्ष घोषित किया था। मार्च 2021 से ही आरबीआई यह सूचकांक छमाही आधार पर चार महीने के अंतराल से जारी कर रहा है।

बोइंग ने अमेरिका में बी777 के संचालन के लिए एयर इंडिया को दी मंजूरी

- पहली उड़ान गुरुवार सुबह जॉन एफ कैनेडी (जेकेएफ) के लिए हुई रवाना

नई दिल्ली ।

बोइंग ने संयुक्त राज्य अमेरिका में बी777 के संचालन के लिए एयर इंडिया को मंजूरी दे दी है। इसके बाद पहली उड़ान गुरुवार को सुबह जॉन एफ कैनेडी (जेकेएफ) के लिए रवाना हो गई। गौरतलब है कि उत्तरी अमेरिका में 5जी रोलआउट के कारण एयर इंडिया ने बुधवार से भारत-अमेरिका मार्गों पर आठ उड़ानें रद्द कर दी थीं। बोइंग ने संयुक्त राज्य अमेरिका में बी777 के संचालन के लिए एयर इंडिया को मंजूरी दे दी है। इसके बाद पहली उड़ान गुरुवार को सुबह जॉन एफ कैनेडी (जेकेएफ) के लिए रवाना हो गई। गौरतलब है कि उत्तरी अमेरिका में 5जी रोलआउट के कारण एयर इंडिया ने बुधवार से भारत-अमेरिका मार्गों पर आठ उड़ानें रद्द कर दी थीं। एयर इंडिया की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार बोइंग ने अमेरिका में 5जी रोलआउट के बीच बी777 के संचालन के लिए हरी झंडी दे दी है। इसके बाद पहली उड़ान भेजी गई। इसके साथ ही दिन में निकलने वाली अन्य उड़ानें शिकागो और सैन फांसिस्को के लिए हैं। एयरलाइन के अधिकारी के अनुसार यूएसए में उड़ान भरने वाले बी777 के मामले को अब सुलझा लिया गया है। अमेरिकी प्राधिकरण से मंजूरी के बाद एयर इंडिया ने गुरुवार से अमेरिका के लिए बी777 का संचालन फिर से शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि अमेरिका में 5जी रोलआउट के चलते उड़ानों पर असर पड़ा है। भारत समेत कई देशों की एयरलाइन कंपनियों ने अपनी उड़ानों को रद्द कर दिया था। इनमें जापान, दुबई, ब्रिटेन समेत कई देशों की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां शामिल हैं। बता दें कि एक हफ्ते पहले फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने चेतावनी दी थी कि 5जी के चलते बोइंग-777 विमान पर प्रभाव पड़ सकता है। बोइंग-777 सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला एयरक्राफ्ट है। अमेरिका में 5जी इंटरनेट की शुरुआत हो रही है, जिससे यूजर्स को सुपरफास्ट कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी तरफ इसने एयरलाइन कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरपोर्ट्स के पास शुरू हो रहे 5जी नेटवर्क से जुड़े खतरे को देखते हुए कई एयरलाइन कंपनियों ने अपनी कुछ उड़ानों को रद कर दिया था। इसके चलते यूएसए में एविएशन इंडस्ट्री इसका काफी विरोध कर रही है।

कई एसयूवी कारें साल 2022 में होगी लॉन्च -टाटा मोटर्स ने देश में लॉन्च की सफारी डार्क एडिशन

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटो निर्माता, टाटा मोटर्स ने देश में सफारी डार्क एडिशन लॉन्च किया। कई एसयूवी कार साल 2022 में लॉन्च होने जा रही हैं। देश के कई बड़े कार निर्माता इसी हफ्ते भारत में कुछ और नए मॉडल्स को पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। आगामी मॉडल देश में पेश किया जाने वाला पांचवां डार्क एडिशन मॉडल होगा। जैसा कि पिछले डार्क एडिशन वर्जन में देखा गया था, आगामी सफारी डार्क एडिशन को भी इसी तरह के इंटीरियर और एक्सटीरियर अपडेट मिलेंगे। ये मौजूदा 2.0-लीटर डीजल द्वारा संचालित होगा, जो 168बीएचपी और 350 एनएम का टार्क उत्पन्न करता है। यह इंजन सिक्स-स्पीड मैनुअल या सिक्स-स्पीड ऑटोमैटिक विकल्प के साथ भी उपलब्ध हो सकता है। टाटा मोटर्स ने हाल ही में भारत में 19 जनवरी 2022 को सीएनजी कार्स पेश करने का ऐलान किया था। टियागो कंपनी के लाइन-अप का पहला मॉडल होगा, जो सीएनजी विकल्प में ऑफर किया जाएगा। साथ ही कंपनी टिगोर सीएनजी को भी लॉन्च कर सकती है। दोनों ही मॉडल्स साल 2021 में कई बार टेस्ट के दौरान नजर आए हैं। इसके अलावा हाल ही में लॉन्च हुई पंच सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी भी देश में कई बार टेस्ट के दौरान नजर आई थी, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसका सीएनजी वर्जन भी जल्द ही लॉन्च किया जाएगा।भारत में चुनिंदा डीलर्स ने टियागो और टिगोर की बुकिंग अनाधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। उम्मीद है कि सीएनजी वर्जन एक्सई और मिड-स्पेक एक्सटी वेरीएंट में ऑफर किया जाएगा। इसमें 1.2 लीटर नैचुरली-ऐस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन होगा, जो 85बीएचपी का पावर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। इसमें पांच-स्पीड मैनुअल और एएमटी गियरबॉक्स को जोड़ा जाएगा। इसके सीएनजी वर्जन के पावर के आंकड़े पेट्रोल वर्जन की तुलना में अलग हो सकते हैं। टोयोटा ने हाल ही में अपडेटेड कैमरी को भारत में लॉन्च किया। अब कंपनी भारतीय बाजार में 20 जनवरी 2022 को अपने दूसरे प्रॉडक्ट हाइलक्स को लॉन्च करने जा रही है। बता दें कि हीलक्स पिक-अप डीलरशिप्स पर पहुंचना शुरू हो चुकी है। यह कार इमोशनल रेड, ग्रे मेटैलिक, पर्ल वाइट, सिल्वर मेटैलिक और सुपर वाइट के पांच रंग विकल्पों में उपलब्ध होगी। हीलक्स में 2.8-लीटर डीजल इंजन होगा, जो 201बीएचपी का पावर और 500एनएम का टॉर्क पैदा करेगा। इसमें मैनुअल व ऑटोमैटिक ट्रैंस्मिशन को जोड़ा जाएगा। देश में कुछ डीलर्स ने नई सिलेरियो के सीएनजी वर्जन की बुकिंग अनाधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। टाटा मोटर्स अगले हफ्ते भारत में टियागो के सीएनजी वर्जन को लॉन्च करने जा रही है, तो वहीं मारुति सुजुकी सिलेरियो के सीएनजी वर्जन को लॉन्च कर सकती है। सिलेरियो के नए-जनरेशन मॉडल में 1.0-लीटर, तीन-सिलेंडर के10सी पेट्रोल इंजन होगा, जो 66 बीएचपी का पावर और 89एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। इसके सीएनजी वर्जन के आंकड़े अलग हो सकते हैं। ऑडी अगले हफ्ते भारत में क्यू7 फेसलिफ्ट को लॉन्च कर सकती है। हालांकि कंपनी ने इसके लॉन्च की तारीख की पुष्टि नहीं की है। क्यू7 में वर्टिकल स्लैट्स के साथ नया सिंगल-फ्रेम ग्रिल, आगे अपडेटेड बम्पर, पैनॉरमिक सनरूफ, शार्क-फिन ऐन्टिना और एलईडी हेडलैम्प्स जैसे फीचर्स होंगे। इसमें 3.0-लीटर, टीएफएसआई पेट्रोल इंजन होगा, जो 335बीएचपी का पावर और 500एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। मौजूदा मॉडल की तरह ही आने वाली बीएमडब्ल्यू एक्स3 में आगे और पीछे अपडेटेड बम्पर्स के साथ बड़ा किडनी ग्रिल, नए एलईडी हेडलैम्प्स और टेललाइट्स मौजूद होंगे। इस वीइकल में आठ-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रैंस्मिशन के साथ 2.0-लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन होगा।इसमें आठ-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स को जोड़ा जाएगा। बीएमडब्ल्यू ने हाल ही में भारत में एक्स3 फेसलिफ्ट को टीज किया था।

भारत में पिछले साल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 26 फीसदी घटा: रिपोर्ट

- कोविड-19 की दूसरी लहर का भारत की आर्थिक गतिविधियों पर बहुत असर पड़ा

संयुक्त राष्ट्र ।

संयुक्त राष्ट्र की कारोबार संबंधी संस्था ने कहा है कि 2021 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 26 फीसदी कम रहा क्योंकि 2020 में जो बड़े विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) सौदे हुए थे वे 2021 में नहीं हुए। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के निवेश रूझान मॉनिटर ने कहा कि 2021 में वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 77 फीसदी बढ़कर कोविड-19 से पहले के स्तर से भी अधिक अनुमानित 1650 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो 2020 में 929 अरब डॉलर था। यूएनसीटीएडी की महासचिव रेबेका ग्रिन्सपन ने कहा कि विकासशील देशों में निवेश प्रवाह उत्साहजनक है लेकिन न्यूनतम विकसित देशों में उद्योगों में नए निवेश में ठहराव चिंता का प्रमुख विषय है। रिपोर्ट में कहा गया कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई में अब तक का सबसे बड़ा उछाल आया है और यहां एफडीआई 2021 में अनुमानित 777 अरब डॉलर पहुंच गया जो 2020 के मुकाबले तीन गुना है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई प्रवाह 30 फीसदी वृद्धि के साथ करीब 870 अरब डॉलर हो गया जबकि दक्षिण एशिया में यह 24 फीसदी गिरकर 2021 में 54 अरब डॉलर रहा। अमेरिका में एफडीआई 114 फीसदी वृद्धि के साथ 323 अरब डॉलर पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में एफडीआई प्रवाह 26 फीसदी कम रहा क्योंकि 2020 में जो एमएंडए सौदे हुए थे वे 2021 में नहीं हुए। भारत में 2020 में एफडीआई 27 फीसदी बढ़कर 64 अरब डॉलर था जो 2019 में 51 अरब डॉलर था। रिपोर्ट मे कहा गया कि कोविड-19 की दूसरी लहर का भारत की आर्थिक गतिविधियों पर बहुत असर रहा और अप्रैल 2021 में दूसरी लहर के कारण भारत में ग्रीनफिल्ड परियोजनाएं 19 फीसदी संकुचन के साथ 24 अरब डॉलर हो गईं। यूएनसीटीएडी में निवेश एवं उद्यम निदेशक जेम्स झान ने कहा कि विनिर्माण और वैश्विक मूल्य श्रंखला (जीवीसी) में नए निवेश का स्तर कम रहा क्योंकि दुनिया वैश्विक महामारी से जूझ रही थी और इसका दूसरा कारण था भूराजनीतिक तनाव बढ़ना। जह से वेरिजोन और एटीएंडटी ने एयरपोर्ट के आसपास 5जी सेवाओं की लान्चिंग को फिलहाल टाल दिया है।

क्रिएटर्स को पेड फॉलोअर्स के लिए विशेष कंटेंट तक पहुंच प्रदान करने की अनुमति देगा इंस्टाग्राम

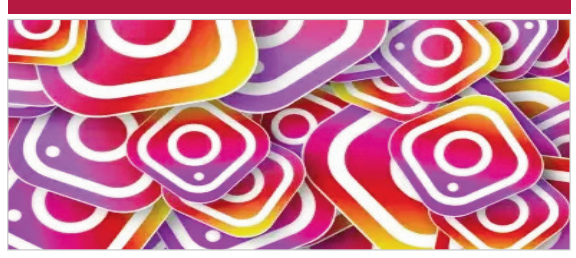

सैन फांसिस्को।

मेटा के स्वामित्व वाले फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने सब्सक्रिप्शन का परीक्षण शुरू कर दिया है। यह एक नया फीचर है जो क्रिएटर्स को पेड फॉलोअर्स को विशेष कंटेंट तक पहुंच प्रदान करने की अनुमति देता है।

वर्तमान में, केवल 10 अमेरिकी क्रिएटर्स ने नई सुविधा तक पहुंच प्राप्त की है, जिसमें बास्केटबॉल खिलाड़ी सेडोना प्रिंस, मॉडल केल्सी कुक, अभिनेता-प्रभावकार एलन चिकिन चाउ, ओलंपिक जिमनास्ट जॉर्डन चिली और डिजिटल निर्माता लोनी 4 शामिल हैं। इंस्टाग्राम प्रमुख एडम मोसेरी ने ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, सदस्यता क्रिएटर्स के लिए है। उन्होंने कहा, निर्माता वह करते हैं जो वे जीवनयापन करने के लिए करते हैं और यह महत्वपूर्ण है कि यह अनुमान लगाया जा सकता है। अनुयायियों को उनके द्वारा अनुसरण किए जाने वाले रचनाकारों से केवल-ग्राहक कंटेंट तक पहुंचने के लिए मासिक शुल्क का भुगतान करना होगा। सदस्यता मूल्य निर्धारण 0.99 डॉलर प्रति माह से लेकर 99.99 डॉलर प्रति माह तक होता है। क्रिएटर को सब्सक्राइब करने वाले इंस्टाग्राम यूजर्स के पास केवल सब्सक्राइबर स्टोरीज, लाइव स्ट्रीम और अन्य कंटेंट तक पहुंच होगी। इस बीच, इंस्टाग्राम कथित तौर पर अपने ऐप में वर्टिकल स्क्रॉलिंग के साथ स्टोरीज रीडिजाइन का भी परीक्षण कर रहा है। जैसा कि सोशल मीडिया सलाहकार मैट नवरा ने बताया, तुर्की में स्थित कुछ यूजर्स को एक इंस्टाग्राम अपडेट मिला है जो स्टोरीज में वर्टिकल स्क्रॉलिंग लाता है। जबकि उसी उपयोगकर्ता की कहानियों को अभी भी स्क्रीन के बाईं या दाईं ओर टैप करके देखा जा सकता है, अगले उपयोगकर्ता की कहानियों पर जाने के लिए नीचे की ओर स्वाइप करना होगा।

हैफेड को सऊदी अरब से 5,000 मीट्रिक टन चावल निर्यात का आर्डर मिला

-संघ ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में 16,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया

चंडीगढ़।

हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन संघ लिमिटेड (हैफेड) को सऊदी अरब के एक प्रमुख आयातक मैसर्स सालेह ए बाबकर संस कंपनी, रियाद से 5,000 मीट्रिक टन सेला बासमती चावल का एक निर्यात आपूर्ति आर्डर मिला है। इस संबंध में हैफेड के प्रवक्ता ने बताया कि हैफेड अध्यक्ष कैलाश भगत, प्रबंध निदेशक ए श्रीनिवास और सीजीएम आरपी साहनी सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने दिसंबर, 2021 में चावल के संभावित खरीदारों से मिलने के लिए दुबई का दौरा किया जिस उपरांत यह आपूर्ति आदेश प्राप्त हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि हैफेड हरियाणा सरकार का एक शीर्ष सहकारी संघ है। हैफेड राज्य के किसानों की घरेलू और विदेशी बाजार में बिक्री के लिए उनकी उपज का मूल्यवर्धन करके उनकी उपज की खरीद, प्रसंस्करण करके उनकी सेवा करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस संघ ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 16,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। उन्होंने बताया कि नवंबर, 2021 के महीने के दौरान बासमती चावल और अन्य चावल की किस्मों के बाजार मूल्य में अचानक गिरावट आई है। हैफेड द्वारा राज्य के किसान के हितों की रक्षा करने एवं बाजार को स्थिर करने के लिए राज्य की विभिन्न मंडियों से लगभग 20,000 मीट्रिक टन धान की खरीद के लिए निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि हैफेड ने अप्रैल, 2021 के दौरान 5 करोड़ रूपये (682000 अमरीकी डालर) के भारतीय लंबे चावल, 1121 बासमती सेला और बासमती सेला सहित दुबई, (यूएई) सहित विभिन्न किस्मों के 870 मीट्रिक टन चावल के निर्यात आदेशों को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है।

दिसंबर में घरेलू उड़ानों से 1.12 करोड़ लोगों ने की हवाई यात्रा

नई दिल्ली ।

पिछले साल दिसंबर मे हिने में लगभग 1.12 करोड़ घरेलू यात्रियों ने विमान यात्रा की। यह संख्या नवंबर, 2021 की तुलना में 6.7 प्रतिशत अधिक है। नवंबर में 1.05 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने यात्रियों की मासिक संख्या का ब्योरा जारी करते हुए कहा कि बीते साल के दौरान देश में कुल मिलाकर 8.38 करोड़ लोगों ने घरेलू उड़ानों के जरिये यात्रा की। वहीं 2020 में कुल 6.3 करोड़ घरलू यात्रियों ने हवाई सफर किया था। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो से दिसंबर में सबसे अधिक 61.41 लाख यात्रियों ने यात्रा की। इंडिगो की इस दौरान घरेलू बाजार में हिस्सेदारी 54.8 प्रतिशत की रही। डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार गो फर्स्ट (पूर्व में गो एयर) ने दिसंबर, 2021 के दौरान 11.93 लाख और स्पाइसजेट ने 11.51 लाख यात्रियों को हवाई सफर कराया। इसके अलावा एयर इंडिया, विस्तार, एयरएशिया इंडिया और अलायंस एयर के यात्रियों की संख्या क्रमश : 9.89 लाख, 8.61 लाख, 7.01 लाख और 1.25 लाख रही।

Sports

जापान की स्ट्राइकर माना इवाबुची महिला एशियाई कप से पहले कोविड पॉजिटिव : रिपोर्ट

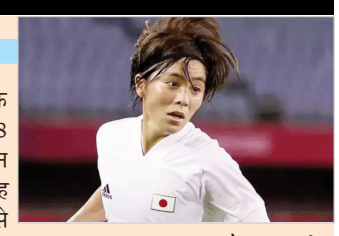

पुणे । जापान की स्ट्राइकर माना इवाबुची एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपनी टीम के खिताब की रक्षा के अभियान के शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगी क्योंकि वह कोविड-19 पॉजिटिव पाई गई हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। आर्सेनल की यह 28 साल की फारवर्ड ब्रिटेन से रवाना होने से पहले नेगेटिव पाई गई थी लेकिन मंगलवार को भारत पहुंचने पर उनका नतीजा पॉजिटिव आया। जापान फुटबॉल संघ की घोषणा के हवाले से दी गई खबर के अनुसार इवाबुची टीम की किसी अन्य सदस्य के करीबी संपर्क में नहीं थी क्योंकि वह अकेले ब्रिटेन से भारत पहुंची थी।एक रिपोर्ट में जापान फुटबॉल संघ के हवाले से कहा कि इवाबुची में लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं और टीम से जुड़ने से पहले वह पृथकवास में रहेंगी। सात दिन के पृथकवास के बाद उन्हें टीम की साथियों से जुड़ने की स्वीकृति होगी, बशर्ते वह वायरस के लिए परीक्षण में नेगेटिव आएं और उनमें कोई लक्षण नजर नहीं आएं। दो बार का गत चैंपियन जापान अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप सी में शुक्रवार को म्यांमार के खिलाफ करेगा।

दूसरा मैच जीतकर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

पार्ल।

भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय मैच में हराकर तीन मैचों की इस सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले ही मैच में 31 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इससे वह सीरीज में 1-0 से पीछे होने के कारण दबाव में हैं, ऐसे में भारतीय टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ पदर्शन करना होगा। पहले मैच में शिखर धवन और पूर्व कप्तान विराट कोहली को छोड़कर टीम के अन्य प्रमुख बल्लेबाज नाकाम रहे थे। कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल के लिए अब यह मैच आसान नहीं रहेगा। इसमें राहुल की कप्तानी की भी समीक्षा होगी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इससे पहले टेस्ट सीरीज के दौरान भी उन्हें दूसरे मैच में कप्तानी का मौका मिला था। उस मैच में भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा वह इन दोनो ही मैचों में बल्लेबाजी में भी नाकाम रहे हैं। पहले एकदिवसीय मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज नाकाम रहे , वहीं गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये। बल्लेबाजी के दौरान टीम के लिए मध्यक्रम अब भी परेशानी का कारण बना हुआ है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने पारी की शुरुआत करते हुए अर्धशतक लगाकर अच्छी वापसी की। विराट के साथ उनकी अच्छी साझेदारी हुई पर इन दोनो के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय बल्लेबाजी क्रम ढ़ह गया। निचले क्रम के बल्लेबाजों शार्दुल ठाकुर ने नाबाद 50 और जसप्रीत बुमराह ने नाबाद 14 रन बनाकर अच्छा प्रयास किया पर ये जीत के लिए पर्याप्त नहीं था। पहले मैच में मेजबान टीम ने भारतीय टीम को हर क्षेत्र में मात दी। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तानी कर रही लोकेश राहुल अपने एक फैसले के कारण भी निशाने पर रहे। युवा ऑलराउंडर वेंकेटश अय्यर को एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं दी गयी जबकि अन्य गेंदबाज नाकाम साबित हो रहे थे। स्पिनर युजवेंद्र चहल और शार्दुल ठाकुर पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हावी थे। इसके बाद भी वेंकटेश को छठे गेंदबाज के रूप में गेंदबाजी के लिए नहीं कहा गया। राहुल ने गेंदबाजी में भी ऐसे बदलाव नहीं किए जिससे लगे कि वह रणनीतिक रूप से कप्तानी के लिए सक्षम हैं। इसके विपरीत दक्षिण अफ्रीका ने रणनीतिक प्रयोग के तौर पर एडेन मार्कराम से गेंदबाजी की शुरुआत कराई और वह राहुल को आउट कर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में सफल रहे। युवा श्रेयस अय्यर अब भी शार्ट पिच गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे।

सानिया और राजीव मिश्रित युगल के दूसरे दौर में पहुंचे

मेलबर्न ।

भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनके जोड़ीदार अमेरिका के राजीव राम ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के मिश्रित युगल के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। सानिया और राजीव ने पहले ही दौर में यहां एलेक्सांद्रा क्रुनिच और निकोला सासिच की जोड़ी को सीधे सेट में 6-3 7-6 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे से अधिक समय तक चला। सानिया ने भी इस मुकाबले में अच्छी सर्विस की। उनकी जोड़ी के पास दूसरे ही गेम में बढ़त बनाने का अवसर था पर सानिया ने गलती से निर्णायक अंक पर नेट पर फोरहैंड लगा दिया। टीम को क्रुनिच की सर्विस पर एक और मौका मिला पर यह मौका भी खराब हो गया क्योंकि सानिया वॉली पर अंक नहीं हासिल कर पायीं। उन्हें निर्णायक अंक पर ब्रेक मिला। फिर अगले गेम में राम की सर्विस पर उन्होंने 4-1 से बढ़त बना ली। राम की मजबूत सर्विस और सानिया की वॉली के कारण भारतीय-अमेरिकी जोड़ी ने पहला सेट जीत लिया। सानिया ने अपने बड़े फारहैंड से दूसरे सेट में ब्रेक करने का पहला मौका दिलाया। इसके बाद सानिया ने निर्णायक अंक पर लंबा फॉरहैंड लगा दिया। सानिया के शानदार क्रास कोर्ट विनर से टीम को छठे गेम में दो अंक मिले। सर्बियाई जोड़ी ने गेम बरकरार रखा। 5-5 की बराबरी के बाद सानिया ने सर्विस में कोई गलती नहीं की और विपक्षी जोड़ी के सासिच की रिटर्न की गलती ने सानिया-राम की जोड़ी को जीत दिला दी।

आईसीसी ने चुनी साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय टीम, मिताली-झूलन को मिली जगह

दुबई । अनुभवी भारतीय खिलाड़ियों मिताली राज और झूलन गोस्वामी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम में उन खिलाड़ियों को जगह मिलती है जिन्होंने कैलेंडर वर्ष में मैदान पर अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया हो। भारत की अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान मिताली ने इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्युमोंट के समान रन बनाए और दोनों का औसत भी समान रहा। मिताली ने हालांकि उस समय 503 रन का योगदान दिया जब भारतीय टीम एक इकाई के रूप में जूझ रही थी जिसके कारण उनका योगदान अधिक महत्वपूर्ण रहा। इस 39 वर्षीय बल्लेबाज ने 2021 में कोई शतक नहीं बनाया लेकिन छह अर्धशतक जड़े। लंबे समय से भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआ रही 39 साल की झूलन अब भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर रही हैं। झूलन ने बीते साल 3.77 की शानदार इकोनॉमी दर के साथ 15 विकेट चटकाए। आईसीसी ने इस भारतीय गेंदबाज की तारीफ करते हुए कहा कि यह अनुभवी तेज गेंदबाज रन गति पर अंकुश लगाने के साथ विकेट हासिल करने में भी सक्षम है और वह किसी भी टीम के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 340 विकेट चटकाने वाली झूलन आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाली गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं।

आईसीसी एकदिवसीय टीम में किसी भी भारतीय क्रिकेटर को नहीं मिली जगह

दुबई ।

भारत के किसी भी क्रिकेटर को आईसीसी की एकदिवसीय क्रिकेटरों की टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं आयरलैंड के दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। आईसीसी की इस सूची में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के भी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। वहीं पाकिस्तान के दो खिलाड़ियों जबकि बांग्लादेश के तीन खिलाड़ियों को इसमें जगह मिली है। पाक के बाबर आजम को इस टीम का कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा टीम में बल्लेबाज फखर जमां का भी रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका के जानेमन मलान और रासी वान डर डुसेन, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन, मुस्ताफिजुर रहमान और मुशफिकुर रहीम (विकेटकीपर), श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और दुशमंत चमीरा तथा आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग और सिमी सिंह भी इसस टीम में शामिल है। आईसीसी की वर्ष की टीम में एक भी भारतीय खिलाड़ी न होने का कारण खराब प्रदर्शन की जगह कम मैच खेलना है क्योंकि भारत ने 2021 में खेली गयी दोनों श्रृंखलाएं जीती थी। वर्ष 2021 में भारत के सभी छह एकदिवसीय में खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी शिखर धवन थे जिन्होंने छह मैचों में 297 रन बनाए थे। आईसीसी ने पिछले साल एकदिवसय में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की अंतिम ग्याह का चयन किया है।

एकदिवसीय टीम में पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों को ज्यादा जगह मिली है। बांग्लादेश के सबसे ज्यादा 3 खिलाड़ी को साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय टीम में शामिल किया है। वहीं, पाकिस्तान, श्रीलंका, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के दो-दो खिलाड़ी इसमें जगह बनाने में सफल रहे हैं।

आईसीसी एकदिवसीय टीम 2021: पॉल स्टर्लिंग (आयरलैंड), जानेमन मलान (दक्षिण अफ्रीका), बाबर आजम (पाकिस्तान), फखर जमान (पाकिस्तान), रासी वैन डेर डुसेन (दक्षिण अफ्रीका), शाकिब अल हसन (बांग्लादेश), मुशफिकुर रहीम (बांग्लादेश), वनिन्दु हसरंगा (श्रीलंका), मुस्ताफिजुर रहमान (बांग्लादेश), सिमी सिंह (आयरलैंड) और दुष्मंथा चमीरा (श्रीलंका)।

संक्षिप्त समाचार

सिंधु और प्रणय सैयद मोदी इंटरनेशनल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

लखनऊ : ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां आसान जीत के साथ सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय को पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में जीत दर्ज करने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिंधू ने दूसरे दौर में अमेरिका की लॉरेन लैम के खिलाफ केवल 33 मिनट में सीधे गेम में 21-16, 21-13 से जीत दर्ज की। प्रणय को हालांकि यहां बीबीडी इंडोर स्टेडियम में हमवतन भारतीय प्रियांशु राजावत के खिलाफ 21-11 16-21 21-18 की जीत के दौरान काफी मशक्कत करनी पड़ी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू अगले दौर में थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त सुपानिदा केटेथोंग से भिड़ेंगी। सिंधू को इंडिया ओपन सुपर 500 सेमीफाइनल में इसी खिलाड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद की 26 साल की सिंधू अब थाईलैंड की बाएं हाथ की खिलाड़ी को हराकर पिछले हफ्ते मिली हार का बदला चुकता करना चाहेंगी। दुनिया के शीर्ष 10 खिलाड़ियों को शामिल रह चुके प्रणय का सामना क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के अर्नाड मर्कल से होगा जिन्होंने दूसरे दौर में भारत के कार्तिकेय गुलशन कुमार को 21-8 21-12 से शिकस्त दी। महिला एकल में आकर्षी कश्यप ने साई उत्तेजिता राव चुक्का को जबकि मालविका बंसोड़ ने प्रेरणा नीलूरी को हराया। क्वार्टर फाइनल में अब आकर्षी और मालविका आमने सामने होंगी। आकर्षी ने साई उत्तेजिता को 21-9 21-6 से शिकस्त दी जबकि मालविका ने प्रेरणा को 21-10 21-8 से हराया। भारत की सामिया इमाद फारूकी ने हमवतन कनिका कंवल को 21-6, 21-15 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उनका अगला मुकाबला अनुपमा उपाध्याय से होगा जिन्होंने स्मित तोशनीवाल को 21-12, 21-19 से पराजित किया। पुरुष एकल में मिथुन मंजूनाथ ने एक घंटा और 20 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में मलेशिया के सूंग जू वेन को 16-21 21-16 23-21 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। चिराग सेन, कौशल धर्मामेर और रघु मारिस्वामी को हालांकि शिकस्त का सामना करना पड़ा। रूस के सर्जेई सिरांत ने चिराग को 18-21 22-20 21-12 से हराया जबकि कौशल को मलेशिया के चीम जून वेई के खिलाफ 16-21 13-21 से हार झेलनी पड़ी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे सहवाग, कैफ करेंगे कप्तानी

मस्कट । टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग निजी कारणों से लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के शुरूआती मैचों में नहीं खेलेंगे। सहवाग के बाहर रहने से मोहम्मद कैफ तीन टीम के बीच होने वाले इस टी20 टूर्नामेंट के पहले चरण में इंडियन महाराज की कप्तानी करेंगे। इंडियन महाराज का पहला मुकाबला इस टूर्नामेंट में मिसबाह उल हक की अगुआई वाली एशियाई लायंस से होगा। यह टूर्नामेंट 29 जनवरी को समाप्त होगा। इसकी तीसरी टीम 'विश्व जायंट्स' है। इसकी कप्तानी वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी करेंगे। कैफ ने कहा, 'सहवाग निजी कारणों से शुरुआती मैच के लिये नहीं आ सकेंगे। वह बाद में टीम से जुड़ेंगे, मैं पहले दो मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करुंगा।'

जोकोविच की कोरोना दवा कंपनी में हिस्सेदारी

कोपेनहेगन ।

कोरोना वायरस टीकाकरण नहीं कराने के कारण विवादों में रहे सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। जोकोविच की कोविड दवा तैयार कर रही एक बायोटेक कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी है। इस बात को इस कंपनी के सीईओ ने ही सार्वजनिक किया है। जोकोविच को टीकाकरण नहीं होने के कारण ही ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था। जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी भाग नहीं ले पाये हैं। डेनमार्क की कंपनी क्रेंट बायो रिस के सीईओ ईवान लोनकारविच ने बताया कि बायोटेक फर्म में जोकोविच की बड़ी हिस्सेदारी है और साथ ही वे इसके सह-संस्थापक भी हैं। उन्होंने कहा, 'वे मेरी कंपनी के संस्थापकों में से एक हैं, जिसकी शुरुआत हमने जून 2020 में की थी।' वहीं एक रिपोर्ट में डेनमार्क के बिजनेस रजिस्टर में दर्ज जानकारी के हवाले से बताया कि गया कि जोकोविच और उनकी पत्नी येलेना की इसमें 80 फीसदी हिस्सेदारी है। डेनमार्क, स्लोवेनिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में इस कंपनी के करीब 20 कर्मचारी हैं। लोनकारविच ने बताया, 'हमारा लक्ष्य वायरस और रेजिजटेंट बैक्टीरिया से लड़ने का है और हमने कोविड को शोकेस के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया है।'

उन्होंने कहा, 'अगर हम सफल होते हैं, तो हम अन्य वायरस के साथ भी सफल होंगे।' जोकोविच को कोर्ट में कानूनी लड़ाई हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया से बाहर कर दिया गया था।जोकोविच के वीजा रद्द होने के मामले में कानूनी लड़ाई हारने के दो दिन बाद टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी करके कहा कि आस्ट्रेलियाई ओपन समाप्त होने के बाद इस पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी।

मैनचेस्टर यूनाईटेड ने ब्रेंटफोर्ड क्लब को हराया, ईपीएल में शीर्ष चार में शामिल होने की संभावनाएं बढ़ीं

लंदन। शीर्ष क्लब मैनचेस्टर यूनाईटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में ब्रेंटफोर्ड क्लब को 3-1 से हरा दिया है। इसी के साथ ही मैनचेस्टर के शीर्ष चार में शामिल होने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। मैनचेस्टर की ओर से एंथनी इलांगा, मैसन ग्रीनवुड और मार्कस रशफोर्ड ने दूसरे हाफ में गोल दाग कर अपनी टीम को जीत दिलाई। मैनचेस्टर ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया पर स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो प्रभावित नहीं कर पाये। मैनचेस्टर टीम अब भी सातवें स्थान पर है पर वह चौथे स्थान की टीम वेस्ट हैम से केवल दो अंक ही पीछे है। गौरतलब है कि लीग में शीर्ष पर रहने वाली चार टीमें ही चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करती हैं। वहीं एक अन्य मैच में टोटेनहैम ने अंतिम क्षणों में किये गोल से लीस्टर सिटी को 3-2 से हराया। इससे वह पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। लीस्टर सिटी की ओर से पैटसन डका ने 24वें और जेम्स मैडिसन ने 76वें मिनट में गोल किये। वहीं टोटेनहैम हैरी केन के 38वें मिनट में किए गए गोल के बाद भी 1-2 से पीछे थी पर बर्गविन ने दूसरे हॉफ के इंजुरी टाइम के पांचवें और सातवें मिनट में गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी।

धवन ने आलोचकों को दिया जवाब

पार्ल ।

अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में अपनी शानदार अर्धशतकीय पारी के बाद कहा कि मुझे अपनी बल्लेबाजी पर हमेशा से ही भरोसा था। धवन ने इस मैच में 79 रनों की पारी खेलकर अपने को एकबार फिर साबित किया है। धवन ने पार्ल में 84 गेंदों में 79 रनों की पारी खेली। धवन ने पारी में 10 चौके लगाये। इस पारी के बाद धवन का आत्मविश्वास और बढ़ा है। रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में धवन ने कप्तान लोकेश राहुल के साथ पारी की शुरुआत की थी। धवन ने कहा कि पारी की शुरुआत के लिए बढ़ रही प्रतिस्पर्धा और आलोचनाओं से वह प्रभावित नहीं हुए हैं। धवन ने मैच के बाद कहा, 'मैं मीडिया में उठ रही बातों पर ध्यान नहीं देता हूं, मुझे अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और मैं शांत रहकर अपना काम करते रहना चाहता हूं।' वहीं प्रतिस्पर्धा को लेकर धवन ने कहा, 'ऐसी बातें हमेशा से उठती रही हैं पर मुझे पता है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकता हूं। मुझे अपने खेल और अपने अनुभव पर पूरा भरोसा है।' गौरतल है कि खराब फार्म के कारण हाल ही शिखर धवन को टी-20 टीम से बाहर कर दिया गया था। इस प्रारुप में लोकेश राहुल अब रोहित शर्मा के साथ भारतीय पारी की शुरुआत करते हैं। शिखर को टी-20 विश्व कप की टीम में भी जगह नहीं मिली थी और लगातार युवा खिलाड़ियों, ऋतुराज गायकवाड़, पृथ्वी शॉ के शानदार प्रदर्शन की वजह से धवन पर दबाव बढ़ता जा रहा था पर पहले ही एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेलकर धवन ने अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है।

कोहली विदेशी धरती पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बने , सचिन को पीछे छोड़ा

पार्ल ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय क्रिकेटर बने हैं। सचिन ने इस दौरान महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। कोहली ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में नौ रन बनाने के साथ ही सचिन के विदेशी धरती पर 5065 रनों के रिकार्ड को तोड़ा है। इस प्रकार अब विराट विदेशों में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। विराट ने इस मैच में तीन चौकों की मदद से 63 गेंद में 51 रन बनाये। कोहली के नाम पर अब एकदिवसीय मैचों में विदेशी धरती पर 5108 रन हो गये हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा (5,518) रन बनाकर विदेशी धरती पर एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। कोहली ने 27 रन पर पहुंचने के साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ को सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भी पीछे छोड़ दिया है। कोहली अब इस मामले में केवल सचिन से पीछे हैं जिन्होंने एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा 2,001 रन बनाये हैं। सचिन अन्य देशों के खिलाड़ियों की अपेक्षा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन जोड़ने के मामले में शीर्ष पर हैं। कोहली के इस मैच से पहले 1287 रन थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में कोहली छठे नंबर पर हैं। वह तेंदुलकर के अलावा रिकी पोंटिंग 1879, कुमार संगकारा 1789, स्टीव वॉ 1581 और शिवनारायण चंद्रपॉल 1559 के पीछे हैं।

वायली के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप में स्कॉटलैंड को हराया

बासेटेरे । कप्तान टीग वायली के नाबाद शतक और एडेन काहिल के ऑलराउंड खेल से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने अंडर-19 विश्व कप में स्कॉटलैंड को सात विकेट से हराया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में स्कॉटलैंड पर आसान जीत दर्ज की। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने चार्ली टीयर के 54, थॉमस मैकिनटोश के 54 और ओलिवर डेविडसन के 33 रनों की सहायता से आठ विकेट पर 236 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से काहिल और विलियम साल्जमैन ने दो-दो विकेट लिए । इसके बाद जीत के लिए मिले 237 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 39.3 ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर 240 रन बनाकर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से वायली ने 115 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की सहायता से नाबाद 101 रन बनाये। वायली ने कैंपबेल कैलावे 47 के साथ पहले विकेट के लिये 101 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। उन्होंने काहिल के साथ दूसरे विकेट के लिये 98 रन बनाये। काहिल ने सात चौके और चार छक्के लगाकर 72 रन की आक्रामक पारी खेली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रकृति के साथ कई तरह से स्वास्थ्य लाभ

चाहे मौसम कोई भी हो प्रकृति के पास हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के अनगिनत स्रेत हैं। इसलिए चाहे कड़ाके के ठंड ही क्यों न पड़ रही हो अच्छी तरह गर्म कपड़े पहनें और निकल पड़ें प्रकृति की गोद में क्योंकि इस मौसम में बाहर निकलने से आपके स्वास्थ्य को जो फायदे मिलेंगे वे घर के अंदर रजाई में बैठकर नहीं मिल सकते

बेहतर होता है मूड

मायो क्लीनिक के अनुसार यह बात तो सभी जानते हैं कि सर्दियों में हम उदासीन हो जाते हैं मूड अच्छा नहीं रहता। इस मौसम में दस से बीस प्रतिशत लोगों में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी यानी सैड) डिप्रेशन का कारण बनता है। इसके लक्षणों में एंजाइटी, थकान, नींद और उदासीनता शामिल है। शोधकर्ता मानते हैं कि सैड सर्दियों के छोटे दिनों का परिणाम है और इस दौरान प्राकृतिक रोशनी भी बहुत कम मिलती है। यहां तक कि नियमित व्यायाम करने वालों को भी सर्दियां घरों में बंद कर देती हैं जिससे उनका धूप में निकलना कम हो जाता है। इसलिए सैड का जल्द और तुरंत इलाज ज्यादा से ज्यादा बाहर निकलना है। चाहे बाहर खूब ठंड हो रही हो।

ज्यादा बाहर यानी ज्यादा विटामिन डी

सैड के लक्षणों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा वक्त जब हम बाहर गुजारते हैं तब धूप हमारे शरीर को आवश्यक किरणों को सोखने का मौका देती है। विटामिन डी हार्ट अटैक से बचाव करता है साथ ही ऑस्टीयोपोरोसिस और कई तरह के कैंसर जैसी स्थिति में फायदा पहुंचाता है। हालांकि कुछ खाद्य पदार्थो के जरिये भी विटामिन डी लिया जा सकता है जैसे मछली, अंडा और चीज आदि। लेकिन 80 से 90 प्रतिशत तक हम इसे सूरज से ही पा सकते हैं।

एक्सरसाइज रुटीन को करता है रिचार्ज

जब सर्द हवाएं चल रही हों या फिर घना कोहरा छाया हो ऐसे में बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा कठिन होता है। लेकिन बाहर निकल कर दौड़ना अच्छा वर्कआउट माना जाता है, आप चाहें तो साइकिलिंग करके ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकती हैं या फिर किसी तरह की फिजिकल एक्टविटी करके एक्सरसाइज का फायदा उठा सकती हैं। ऐसा मानना है न्यूयॉर्क टाइम्स में छपे एक शोध का। इसका मतलब यह है कि धुंध भरी सुबह अपने आलस्य को छोड़कर बाहर एक्सरसाइज करने के लिए निकल पड़िये। यह आपको पूरे दिन तरोताजा रखेगी। सर्दियों में सुबह-सुबह टहलने निकलने का एक फायदा यह भी है कि आपको सड़कें खाली मिलेंगी, कोहरे में टहलते हुए आप पेड़ों से गिरती हुई ओस की बूंदे देखकर प्राकृतिक नजारों का लुफ्त उठा सकती हैं।

कई बीमारियों में कारगर प्राकृतिक प्रकाश

पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार प्राकृतिक रोशनी यानी सूरज की किरणों में आरोग्यात्मक गुण पाये जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि स्पाइनल सर्जरी वाले रोगियों में धूप में बैठने के बाद दर्द और तनाव का स्तर कम पाया गया। दरअसल जो रोगी 46 प्रतिशत धूप में ज्यादा बैठे उन्हें चिकित्सा अवधि के दौरान 22 प्रतिशत दर्द का कम अहसास हुआ। एजिंग हेल्थ ऑफ जर्नल में छपे एक और अध्ययन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारा बाहर टहलने निकलना और ज्यादा जरूरी हो जाता है। एक 70 वर्षीय व्यक्ति जो प्रतिदिन बाहर समय व्यतीत करता है उसे शरीर में दर्द का अहसास कम होता है साथ ही नींद की समस्या भी नहीं रहती। उनकी दिन-प्रतिदिन के क्रियाकलापों में भी बहुत कम गिरावट देखी गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि प्रकृति में ज्यादा वक्त गुजारने से आप वृद्धावस्था में भी स्वस्थ रह सकती हैं।

टहलने से बढ़ेगी एकाग्रता और रचनात्मकता

अध्ययन बताते हैं कि जब आप बाहर टहलने निकलते हैं तब हमारे मस्तिष्क की कार्यपग्राली और मेंटल फोकस में इजाफा हो ता है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार टहलने से न केवल फिजिकल एक्टीविटी बढ़ती है बल्कि दिमाग में नये-नये विचारों का आवागमन भी होता है। उटाह यूनिवर्सिटी द्वारा कराये गये एक अन्य अध्ययन में पाया कि एक क्रिएटिव टेस्ट में जगह-जगह यात्रा करने वाले पार्टिसिपेंट्स ने बिना किसी गैजेट की सहायता के पचास प्रतिशत ज्यादा अंक प्राप्त किये। शोधकर्ताओं का मानना है कि खुद को चौबीसों घंटे कंप्यूटर और अन्य गैजेट्स से चिपकाये रखने की आदत के फलस्वरूप लोग टहलना भूल रहे हैं। बाहर ज्यादा समय गुजारने से फोकस भी बढ़ता है। शहरों में रहने वाले बच्चे जो घर के आसपास ही खेलते हैं, की तुलना में पाकरे में धमा चौकड़ी बचाने वाले बच्चों का फोकस बेहतर होता है।

अनोखा एनर्जी बूस्टर है मीठा और ताजा खजूर

मीठे, ताजे और नरम डेट्स यानी खजूर देखने में आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। बच्चे हों या बड़े हर किसी के लिए यह पोषक तत्वों, मिनरल्स और विटामिन्स से भरा फल है। सामान्य ग्रोथ, विकास और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए जिन चीजों की जरूरत पड़ती है, वह सब इस फल में मौजूद हैं। ताजे खजूर नरम होते हैं और आसानी से पच जाते हैं। इसमें साधारण शुगर जैसे फ्रूकटोज और डेस्ट्रोज मौजूद होते हैं। इसे खाते ही पूरे शरीर में फुर्ती और ताकत का संचार होता है और व्यक्ति अपने आप को ऊर्जावान पाता है।

खजूर में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं। ये कोलेस्ट्रोल को कम करते हैं। खजूर में मौजूद फाइबर कोलोन कैंसर से भी बचाव करते हैं। खजूर में टेनिन हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें एंटी इफेक्टिव, एंटी इनफ्लेमटरी और एंटी हिमोरेजिक गुण होते हैं, जो शरीर से आसानी से खून बहने नहीं देता।

खजूर कब्ज से परेशान लोगों के लिए रामबाण है। इसे लैक्जेटिव फूड भी कहा जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में घुलने वाले फाइबर पाए जाते हैं। खजूर को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाने से कब्ज में जल्द फायदा मिलता है।

हड्डियों की मजबूती और ताकत के लिए खजूर को सुपर फूड भी माना जाता है। यह आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से भी बचाव करता है। इसमें मौजूद सेलेनियम, मैग्नीज, कॉपर और मैग्नेशियम बढ़ती उम्र में भी हड्डियों की मजबूत रखते हैं।

खजूर में मौजूद निकोटिन आंत संबंधी कई बीमारियों से बचाता है। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है। खजूर में प्रचुर मात्रा में मिनरल पाए जाते हैं, जो किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के दौरान शरीर में आयरन की कमी नहीं होने देता। एनिमिया के मरीज इसे अपने हर दिन के खाने में शामिल कर सकते हैं। यह शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ा कर थकान, आलस और कमजोरी दूर करता है। मौसमी एलर्जी से भी यह बचाता है।

खजूर में शुगर, प्रोटीन और कई जरूरी विटामिंस मौजूद होते हैं, जो हेल्दी डाइट का काम करते हैं। अगर अपने मसल्स बनाना चाहते हैं और साथ ही थोड़ा वेट भी चाहते हैं, तो खजूर एक बेहतर विकल्प है। लेकिन ध्यान रहे पूरा दिन इसे न खाएं वरना आप मोटापे के शिकार हो सकते हैं। खजूर एनर्जी बूस्टर का भी काम करता है।

उम्र बढ़ने के साथ नर्वस सिस्टम भी कमजोर होता जाता है। ऐसे में खजूर में मौजूद विटामिंस इसे सही रखने में मदद करता है और दिमाग तेज बनाता है। इसमें मौजूद पोटेशियम न सिर्फ आपका दिमाग बल्कि दिल को भी दुरुस्त रखता है। कमजोर दिल के मरीज इसका सेवन कर अपने हार्ट को हेल्दी बना सकते हैं। रात भर भिगो कर सुबह अगर इसे खाया जाए तो मरीज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके अलावा खजूर, कान, नाक और गले की बीमारियों में भी लाभदायक है। इसके पत्ते को पीस कर आंखों के आसपास लगाने से रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) जैसी समस्या कम होती जाती है। पके हुए खजूर में मौजूद पोटेशियम क्रोनिक डायरिया में भी आराम पहुंचाते हैं। यह मानव शरीर के लिए अचूक दवा है। इसका नियमित सेवन एबडामिनल कैंसर जैसी बीमारी से बचाता है।

खजूर हर उम्र के लोगों के लिए टॉनिक को तरह काम करता है। इसलिए सर्दी हो या गर्मी इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करें। मगर ध्यान रहे, खाने से पहले इसकी क्वालिटी जरूर जांच लें और साथ ही इसे अच्छी तरह धो लें।

अखरोट खाएं और दूर भगाएं कई रोग

नट्स हमेशा सेहत के लिए फायदेमंद रहे हैं। बात अगर अखरोट की करें, तो यह एनर्जी का बेहतर स्रोत होने के साथ इसमें शरीर के लिए बेहतर पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडेंट और विटामिन प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। हर मौसम में अखरोट मिल जाते हैं। मगर यह अगस्त में बिल्कुल तैयार हो जाता है। अखरोट का तेल खाना बनाने के अलावा दवाइयों और खुशबू के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

अखरोट में मोनोसेचुरेटेड फैट जैसे ओलिस एसिड प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे सिनोलिक एसिड, अल्फा फिनोलिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड भी काफी मात्रा में मिलते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बैड कोलेस्ट्राल को कम कर गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ाता है।

हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसद ओमेगा-3 फैटी एसिड भी मिलता है। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजिज और स्ट्रोक के रिस्क कम होते हैं। इसका सेवन ब्रेस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट केा ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में कई तरह के यौगिक मौजूद होते हैं जैसे मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। यह यौगिक कैंसर, बुढ़ापा, सूजन और मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों से बचाता है।

विटामिन-ई शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है और अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर को हानिकारक आक्सीजन से सुरक्षा देता है। सौ ग्राम अखरोट में लगभग 21 ग्राम विटामिन-ई की मात्रा पाई जाती है। विटामिन के अलावा इसमें और भी जरूरी विटामिन मौजूद होते हैं जैसे विटामिन बी कांप्लेक्स समूह के शइबोफ्लैविन, नियासिन, थाइमिन, पेंटोथेनिक एसिड और विटामिन बी 6 और फोलेट्स।

डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी कमर दर्द का कारगर समाधान

युवाओं में पीठ संबंधी समस्याएं हो रही है। ऐसी दर्दनाक स्थितियों से छुटकारा पाने के लिए डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी सबसे आसान समाधान उभरकर सामने आया है। एक हालिया शोध के अनुसार दुनियाभर में अन्य किसी बीमारी के मुकाबले विकलांगता होने की सबसे बड़ी वजह पीठ के निचले हिस्से में दर्द होना है। इसका सबसे मुख्य कारण लगातार बैठे रहना और गलत मुद्रा में खड़े व बैठना है। जीवनशैली में व्यस्तता और लगातार काम करने की डिमांड के चलते प्रोफेशनल्स को इस तरह की समस्या का समाधान मिलना मुश्किल हो गया है। अब 35 साल के रजत मित्तल का ही उदाहरण लें। सारा दिन ऑफिस में डेस्क जॉब करना और कई बार तो घर आकर भी ऑफिस के ही काम में लगे रहना या फिर निढाल होकर टीवी इत्यादि देखना। रजत की पिछले छह महीने से कमर में गंभीर दर्द है लेकिन बिजी होने की वजह से इस दर्द को लगातार अनदेखा किए जा रहे हैं। जब दर्द बिल्कुल बर्दाश्त से बाहर हो गया तो चेकअप कराया, जिससे उन्हें हर्निएटिड डिस्क समस्या की बात पता चली। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि लापरवाही और समय पर इलाज न कराने से विकलांगता का खतरा हो सकता है जिससे रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत हो सकती है। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित ***विशेषज्ञों*** का मानना है कि डेस्क पर लंबे समय तक बैठे रहना और झुककर काम करते रहने से युवाओं में जॉब के कारण लगातार लंबे समय तक अपने डेस्क पर बैठे काम करते रहने से पीठ दर्द जैसी समस्या सामने आ रही हैं। शारीरिक रूप से खड़े होने की तुलना में बैठने पर हमारी पीठ पर ज्यादा तनाव पड़ता है और लगातर बैठकर काम करने से आमतौर पर पीठ दर्द होने पर हर्निएटिड डिस्क या प्रोलेप्सड डिस्क, जिसे आमतौर पर स्लिप डिस्क कहते हैं, की समस्या हो जाती है। विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगी भर पाई गई है। इसका मतलब है कि रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है। इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते।

गौरतलब है कि इंसान की रीढ़ 33 हड्डियों से मिलकर बनी है, जिसे वर्टिब्रा कहते हैं। ये स्पंजी इंटरवर्टिबल्र डिस्क और लिगामिंट के साथ है। यही इंटरवर्टिबल्र डिस्क रीढ़ को गतिशीलता और सहारा प्रदान करती है। जन्म के समय 80 प्रतिशत तक इंटरवर्टिबल्र पानी से भरा होता है और ये सख्त कोलेजन फाइबर से घिरा होता है लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है खानपान में पोषक न होना, खाना-पीना सही न होना और सही मुद्रा न होने के कारण पानी कम होने लगता है। इसके साथ-साथ प्रोटीन कम होने लगता है जिसके कारण रीढ़ की हड्डी सख्त होने लगती है और हड्डियों में टूट-फूट होने लगती है। हर्निऐटिड डिस्क में एक या इससे अधिक इंटरवर्टिबल्र डिस्क टूटने लगती है जिसके कारण जेली जैसा पदार्थ बाहर आने लगता है। इस लीकेज के कारण आसपास की नसों में दर्द होना या कई बार नसों में अकड़न आ जाती है। इस कारण शरीर के उस भाग में अकड़न आ जाती है और तेज दर्द होता है। अगर समय रहते हर्निऐटिड डिस्क का पता चल जाए तो इसे दवाइयों और फिजियोथेरेपी की मदद से मैनेज किया जा सकता है। हांलाकि गंभीर स्थितियों में कम से कम साइड इफेक्ट्स के साथ सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

इस बारे में डॉ. गुरुराज कहते है, 'पहले सर्जरी के विकल्पों में स्पाइन फ्यूजन उपलब्ध था, हालांकि ये समस्या का इलाज करने में काफी हद तक सक्षम था लेकिन इससे रीढ़ की हड्डी में स्पेस और गतिशीलता कम हो जाती है जिस वजह से इससे जुड़े वर्टिब्रा पर तनाव पड़ता है। लेकिन आधुनिक डिस्क रिप्लेसमेंट थे रेपी ने पीठ दर्द से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने का बेहतरीन विकल्प दिया है। डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी में पुरानी और विकृत डिस्क को प्रोस्थेटिक डिस्क के साथ बदल दिया जाता है और इससे वर्टिब्रा में भी लचीलापन रहता है। यह एक मोबाइल धातु डिस्क होता है जिसे वर्टिब्रा के बीच में रखा जाता है जिससे यह प्राकृतिक रूप से ही काम करने लगती है। जो लोग अपने काम और घर की जिम्मेदारियों को ज्यादा समय के लिए नजरअंदाज नहीं कर सकते, उनके लिए ये थेरेपी बेहद कारगर है।' पीठ दर्द की गंभीर स्थितियों में इस तरह की तकनीकों ने इलाज को बेहद आसान कर दिया है लेकिन इसके अलावा सभी को अपनी जीवनशैली में थोड़े बहुत बदलाव करना चाहिए जिससे शारीरिक रूप से मजबूती आये और पीठ दर्द जैसी समस्याओं से दूरी बनाई जा सके।

विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगीभर पाई गई है। इसका मतलब है कि मजबूत रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है, इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते

सार समाचार

पाकिस्तान के लाहौर में हुआ बम धमाका, 3 लोगों की हुई मौत, अन्य 23 जख्मी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर में बम धमाके की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि धमाका लाहौर के लोहरी गेट इलाके की अनारकली बाजार में हुआ है। जिसमें कम से कम 3 लोगों की मौत हुई है। जबकि अन्य 23 लोग जख्मी बताए जा रहे है। धमाके की वजह से इलाके में अफरातफरी का महौल है और जख्मी लोगों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। फिलहाल धमाके के कारणों का पता नहीं चला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, डीआईजी ऑपरेशन लाहौर डॉ मुहम्मद आबिद ने बताया कि मामले की जांच की जारी है और धमाके के बारे में पता लगाया जा रहा है। इस बात की जांच की जा रही है कि यह आईईडी धमाका था या फिर टाइम बम था ? फिलहाल घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम सबूत जुटा रही है।

मोटरसाइकिल में लगाया गया था बम

लाहौर पुलिस अधिकारी राणा आरिफ ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में हताहतों और जख्मी लोगों की संख्या की पुष्टि की। लेकिन उन्होंने बताया कि एक मोटरसाइकिल में बम लगाया गया था। जिसकी वजह से धमाका हुआ।

व्हाट्सऐप मैसेज में इस्लाम का अपमान, महिला को मौत की सजा

रावलपिंडी की अदालत ने फारूक हसनात की शिकायत पर यह फैसला सुनाया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में एक महिला को ईशनिंदा यानी इस्लाम का अपमान करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है। आरोपी महिला का नाम अनिका अतीक है। उनके खिलाफ 2020 में ईशनिंदा मुकदमा दर्ज कराया गया था। रावलपिंडी की अदालत ने फारूक हसनात की शिकायत पर यह फैसला सुनाया है। अनिका अतीक पर तीन आरोप सही सिद्ध हुए हैं। पहला- मोहम्मद साहब की अवमानना, दूसरा- इस्लाम का अपमान और तीसरा- साइबर कानूनों का उल्लंघन। अनिका और फारूक पहले दोस्त हुआ करते थे। लेकिन किसी बात पर उनका झगड़ा हो गया। तभी गुस्से में अनिका ने फारूक को वॉट्सऐप मोहम्मद साहब और इस्लाम की अवमानना वाले संदेश भेजे थे।

खबर की मानें को फारूक ने पहले अनिका से अपनी गलती के लिए माफी मांगने के लिए कहा था। साथ ही, अपने सभी वॉट्सऐप मैसेज डिलीट करने के लिए भी कहा। लेकिन जब वह नहीं मानीं तो फारूक ने शिकायत दर्ज करा दी। इसकी जांच में अनिका के खिलाफ शिकायत सही पाई गई। लिहाजा, अदालत में केस दर्ज करा दिया गया। गौरतलब है कि पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून बहुत सख्त है। सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल-हक ने 1980 के दशक में यह कानून देश में लागू किया था। पाकिस्तान में ईशनिंदा के संदेह में लोगों के मारे जाने की घटनाएं भी लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले साल ही श्रीलंका के एक नागरिक को ऐसे ही आरोप के संदेह में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। मारे गए श्रीलंकाई नागरिक सियालकोट में काम करते थे। बीते दिसंबर में ही पाकिस्तान के चारसद्दा जिले के रहने वाले बशीर मस्तान नामक व्यक्ति को ईशनिंदा का दोषी ठहराया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की अदालत ने इंटरनेट पर वीडियो अपलोड कर ईशनिंदा करने का आरोप लगाते हुए उसे मौत की सजा सुनाई है। साथ ही, उस व्यक्ति पर 100,000 पाकिस्तानी रुपए का जुमार्ना लगाया गया था।

गणतांत्रिक देश घोषित होने के बाद बारबाडोस में मध्यावधि चुनाव

मिया मॉटली दूसरी बार प्रधानमंत्री पद के लिये आजमा रही हैं किस्मत

ब्रिजटाउन। कैरेबियाई क्षेत्र के देश बारबाडोस के पिछले साल के अंत में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से संबंध खत्म करने के बाद मध्यावधि आम चुनाव में प्रधानमंत्री तथा बारबाडोस लेबर पार्टी की नेता मिया मॉटली दूसरी बार इस पद के लिये अपनी किस्मत आजमा रही हैं। वह साल 2018 में चुनाव जीतकर देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। मॉटली का मुकाबला डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी की नेता वर्ला डि पेजा और अलायंस पार्टी फॉर प्रोग्रेस के नेता जोसेफ आर्थरली से है। मॉटली और डि पेजा की पार्टियों ने हाउस ऑफ असेंबली की सभी 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि आर्थरली की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

हाउस ऑफ असेंबली बारबाडोस की संसद का निचला सदन है। इसमें बहुमत हासिल करने के लिये 16 सीटों की जरूरत होती है। वहीं 21 सदस्यीय सीनेट के लिये चुनाव नहीं हुए हैं क्योंकि हाल में नियुक्त राष्ट्रपति ने इन सदस्यों की नियुक्ति की है। बारबाडोस ने पिछले साल के अंत में ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को राष्ट्राध्यक्ष पद से हटाने और राजशाही से रिश्ता तोड़ने के बाद खुद को गणतांत्रिक देश घोषित किया था और सांद्रा मैसन को देश की पहली राष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। बारबाडोस 1966 में ब्रिटेन से आजाद हुआ था।

बाइडन की धमकी- यूक्रेन पर हमला किया तो पछताएंगे पुतिन

-अमेरिका और रूस के बीच बढ़ता जा रहा है जंग का खतरा

-ब्रिटेन ने रूसी टैंकों से मुकाबले के लिए एंटी टैंक वेपन्स यूक्रेन भेजे

वॉशिंगटन। यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस के बीच जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसे लेकर अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को धमकी दे दी है। बाइडन ने कहा कि उन्हें लगता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश देंगे। अमेरिका की डिप्लोमेसी और प्रतिबंध लगाने की धमकी भी रूसी नेता को यूक्रेन में सैनिक भेजने से नहीं रोक पाएगी। और अगर पुतिन ऐसा करते हैं, तो बेशक बाद में जाकर उन्हे पछताना पड़ेगा। व्हाइट हाउस में 2 घंटे लंबी चली न्यूज कॉन्फ्रेंस में जो बाइडन ने ये बातें कही हैं। बाइडन ने कहा, क्या मुझे लगता है कि वह (पुतिन) पश्चिम को टेस्ट करेंगे, अमेरिका और नाटो को टेस्ट करेंगे? हां, मुझे लगता है कि वह ऐसा करेंगे। लेकिन, उन्हें इसकी गंभीर कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्हें ऐसा करने पर पछतावा होगा।' बाइडन से जब पूछा गया कि क्या वह स्पष्ट रूप से इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि यूक्रेन पर आक्रमण होने वाला है? यूएस के राष्ट्रपति ने कहा, मेरा अनुमान है कि ऐसा होने वाला है। एक तरफ तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडन से यूक्रेन के मसले पर बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ रूसी फौज हमले की तैयारियां कर रही है। एम्बेसी को खाली कराया जाना इसी कड़ी में अहम कदम माना जा सकता है। हालांकि, रूस की फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा कि कीव में उसकी एम्बेसी पहले की तरह काम कर रही है। इससे पहले मंगलवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि रूस बहुत गुपचुप तरीके से यूक्रेन को घेरने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रूस ने 60 बटालियन यूक्रेन के बॉर्डर पर तैनात की हैं। कुल मिलाकर रूसी सैनिकों की संख्या 77 हजार से एक लाख बताई जा रही है। हालांकि, एक महीने पहले पेंटागन ने यह संख्या एक लाख 75 हजार बताई थी। रूस की हरकतों पर अमेरिका और नाटो बहुत पैनी नजर रख रहे हैं। जवाबी तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। फिलहाल, अमेरिका के सहयोगी यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। ब्रिटेन ने यूक्रेन की मदद के लिए अहम फैसला किया और इस पर अमल भी शुरू कर दिया। ब्रिटेन ने रूसी टैंकों के मुकाबले के लिए अपने एंटी टैंक वेपन्स यूक्रेन भेजना शुरू कर दिए हैं। कनाडा ने अपने सैनिकों की एक स्पेशल रेजीमेंट कीव भेज दी है। यूक्रेन जब सोवियत रूस का हिस्सा था तो राजधानी 'कीव' को रूसी शहरों की मां कहा जाता था। इससे समझा जा सकता है कि दोनों देशों में कितना गहरा जुड़ाव है।

मोस्को में रुसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मिले ईरानी राष्ट्रपति इब्राहित रैसी।

अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने श्रृंगला से बात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई

वाशिंगटन। अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन ने बुधवार को विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला को फोन कर यूक्रेन की सीमा पर रूसी सेना की तैनाती समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता नेड प्राइस ने बातचीत का हवाला देते हुए कहा, उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन ने आज भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला के साथ बात की। प्राइस ने कहा, उन्होंने यूक्रेन की सीमा पर रूस की सैन्य तैनाती और क्षेत्रीय मुद्दों सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। प्रवक्ता ने कहा कि शरमन और श्रृंगला साझा लक्ष्यों पर करीबी सहयोग बनाए रखने के लिए सहमत हुए और साथ ही कोरोना वायरस के नए स्वरूप से निपटने के लिए अमेरिकी-भारत साझेदारी के महत्व को दोहराया। इस बीच, नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि शरमन और श्रृंगला ने आगामी द्विपक्षीय गतिविधियों के अलावा टीकों की आपूर्ति समेत कोविड महामारी के हालात की समीक्षा की। बागची ने कहा कि वार्ता के दौरान दोनों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

दक्षिण चीन सागर के दावों के लिए चीन ने अपनाए नए हथकंडे, भारत के लिए पैदा होंगी नई चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत दक्षिणी चीन सागर को एक तटस्थ जगह मानता रहा है और इसे बरकरार रखने का समर्थन करता है। लेकिन इससे इतर दक्षिण चीन सागर (एससीएस) क्षेत्र में 'नाइन-डैश लाइन' के नाम से मशहूर एक बड़े इलाके पर अपना दावा करता रहा है। चीन ने अपने दावों को पुख्ता शक्ल देने के लिए यहां टापू बना लिए हैं। चीन का देखा गया बदलाव इस क्षेत्र में भारत के हितों के लिए नई चुनौतियां पैदा कर सकता है। मलेशियाई विदेश मंत्री सैफुद्दीन अब्दुल्ला के अनुसार, इस बदलाव को एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) के सदस्य देशों ने देखा है और पुराने दावे की तुलना में 'और भी गंभीर' है। उन्होंने ये टिप्पणी पिछले हफ्ते स्थानीय पत्रकारों से की थी।

'फोर शा' (चार रेत द्वीपसमूह) एससीएस क्षेत्र के चार द्वीप समूह हैं जिन पर बीजिंग का दावा है कि उसके पास 'ऐतिहासिक अधिकार' हैं। चीनी उन्हें डोंग्शा कुंदाओ, ज़िशा कुंडाओ, झोंगशा कुंदाओ और नन्शा कुंदाओ कहते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें प्रतास द्वीप समूह, पैरासेल द्वीप समूह, मैकल्सफील्ड बैंक क्षेत्र और स्प्रैटली द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र में चीन के बदलते मानदंड भारत के व्यापार पर, जो इससे होकर गुजरता है और वियतनाम में भारत के ऊर्जा हितों पर प्रभाव डाल सकता है। भारत ने बार-बार एससीएस के माध्यम से नेविगेशन और ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता को बनाए रखने का आह्वान किया है।

साल 2016 में एक अंतरराष्ट्रीय ट्राइब्यूनल ने चीन के खिलाफ फैसला दिया था। इस ट्राइब्यूनल ने कहा था कि इस बात के कोई प्रमाण नहीं हैं कि चीन का इस इलाके पर ऐतिहासिक रूप से कोई अधिकार रहा है। लेकिन, चीन ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया था। इंडोनेशिया और वियतनाम के बीच पड़ने वाला समंदर का ये हिस्सा, करीब 35 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इस पर चीन, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ताईवान और ब्रुनेई अपना दावा करते रहे हैं। कुदरती खजाने से भरपूर इस समुद्री इलाके में जीवों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं।

अगले हफ्ते से मास्क फ्री होगा ब्रिटेन, चरम पर ओमिक्रॉन:सरकार

सेल्फ-आइसोलेशन नियमों को रिन्यू नहीं करने की संभावना

लंदन (एजेंसी)

अगले हफ्ते से मास्क फ्री होगा ब्रिटेन, यानि अगले सप्ताह से लोगों को मास्क पहनने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोविड संबंधी नियमों में ढील देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की लहर देशभर में अपने चरम पर पहुंच चुकी है। इस दौरान उन्होंने सेल्फ-आइसोलेशन के लिए कड़े नियमों को रिन्यू नहीं करने की संभावना भी जताई। मौजूदा सेल्फ आइसोलेशन नियम मार्च में खत्म हो रहे हैं। इससे पहले हाउस ऑफ कॉमन्स में सांसदों को दिए बयान में प्रधानमंत्री ने कहा था कि नाइट क्लब और बड़े कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोविड पासपोर्ट की जरूरत खत्म होगी।

हालांकि, संगठन चाहें, तो एनएचएस कोविड पास का इस्तेमाल कर सकते हैं। लोगों को घर से काम करने की सलाह नहीं दी जाएगी। फेस मास्क जरूरी नहीं होगा, लेकिन लोगों को बंद या भीड़ वाली जगहों पर चेहरा कवर करने की सलाह दी जा रही है। इसके अलावा गुरुवार से माध्यमिक स्कूल वाले बच्चों को क्लास में मास्क नहीं पहनना होगा। पीएम जॉनसन ने कहा था कि आने वाले दिनों में यात्रा नियमों और इंग्लैंड में केयर होम विजिट को लेकर भी जारी पाबंदियों में ढील की घोषणा की जाएगी। पीएम ने यह भी कहा कि सरकार का इरादा कोविड संक्रमित होने वालों को अपने आप आइसोलेट होने में कानूनी जरूरतों को खत्म करने का है। उन्हें बताया कि इसे सलाह और मार्गदर्शन के साथ बदल दिया जाएगा। सेल्फ आइसोलेशन को जारी नियम 24 मार्च को समाप्त हो रहे हैं। डाउनिंग स्ट्रीट प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य सचिव साजिद जावेद ने कहा, यह वह क्षण है, जिसपर हम गर्व कर सकते हैं।

टीका लगाने वाले ज्यादा सुरक्षित है टीका नहीं लगाने वाले

डेल्टा वेव के दौरान किए गए अध्ययन में हुआ खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी)

एक ताजा अध्ययन में कहा गया है कि अमेरिका में डेल्टा वैरिएंट से आई कोरोना की लहर के दौरान, जिन लोगों ने टीका नहीं लिया था, लेकिन कोरोना संक्रमित हुए थे, वे उन लोगों के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित थे, जिन्होंने वैक्सीन लगवाई थी और पहले संक्रमित नहीं हुए थे। कोरोना से उबरने के बाद शरीर में बनने वाली नैचुरल इम्युनिटी (प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता) कोरोना वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा बेहतर होती है, इस बहस को और बल देती है।

शोध के लेखकों ने चेतावनी दी है कि टीकाकरण करवा चुके लोगों की तुलना में बिना टीका लेने वाले लोगों के अस्पताल में भर्ती होने, दीर्घकालिक प्रभाव और मौत होने का अधिक जोखिम होता है। यूएस सेंटर्स फॉर डिजिज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने बयान में कहा, 'वायरस लगातार स्वरूप बदल रहे हैं, जिसमें कोविड-19 का कारण बनने वाला वायरस भी शामिल है।' उसने कहा, 'वैक्सीनेशन से मिली सुरक्षा और संक्रमण के बाद मिली सुरक्षा के स्तर पर स्टडी की अवधि के दौरान बदलाव देखा गया है। हालांकि, कोविड-19 से बचाव के लिए टीकाकरण अब भी सबसे सुरक्षित रणनीति है।'

यह विश्लेषण ओमिक्रॉन वैरिएंट के उदय से पहले किया गया था। ओमिक्रॉन वैरिएंट ने टीके और संक्रमण के बाद पैदा होने वाली इम्युनिटी दोनों कमतर दिखाते हुए लोगों को संक्रमण का शिकार बनाया। नए अध्ययन में 30 मई से 30 नवंबर, 2021 के बीच न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया के मरीजों को शामिल किया गया था।डेल्टा वैरिएंट के कहर से पहले, वैक्सीनेशन ने संक्रमण की तुलना में अधिक प्रतिरक्षा प्रदान की, लेकिन इस स्थिति में जून अंत और जुलाई में तब बदलाव आया, जब डेल्टा ने व्यापक पैमाने पर लोगों को अपना शिकार बनाना शुरू किया। अक्टूबर महीने की शुरूआत में देखा गया कि ऐसे वैक्सीनेटेड लोग जिन्हें पहले कोरोना नहीं हुआ था, उनके बीच मामलों की दर ऐसे लोगों की तुलना में कम थी, जो अन वैक्सीनेटेड थे और कोविड का शिकार भी नहीं हुए थे।

ड्रैगन की धमकी से डरा पाकिस्तान, तंगहाली में भी आतंकी हमले का शिकार हुए चीनी नागरिकों को देगा अरबों मुआवजा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

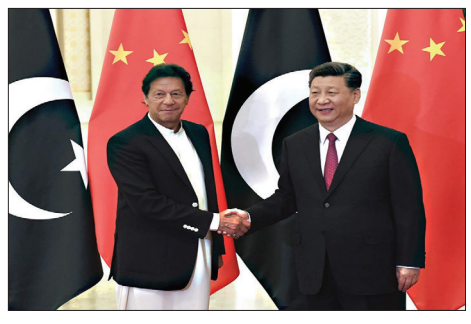

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले साल आतंकी हमले का शिकार हुए 36 चीनी नागरिकों को इमरान सरकार मुआवजा देगी। एक रिपोर्ट में इससे जुड़ी जानकारियां सामने आई हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान सरकार एक प्रमुख जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे 36 चीनी नागरिकों को मुआवजा देगी, जो पिछले साल अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आतंकवादी हमले में या तो मारे गए या घायल हो गए थे। चीन के आर्थिक गुलाम बनते जा रहे पाकिस्?तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ड्रैगन की धमकी से डर गए हैं और उनके इस कदम का उद्देश्य अपने सहयोगी को मनाने के तौर पर देखा जा रहा है।

पिछले साल 13 जुलाई को, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दसू जलविद्युत परियोजना के कार्य स्थल पर ले जा रही एक बस पर आत्मघाती हमले के बाद 10 चीनी नागरिक मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर इंजीनियर थे और 26 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि वित्त मंत्री शौकत तारिन की अध्यक्षता वाली पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) इन चीनी पीड़ितों को भुगतान की जाने वाली मुआवजे की रकम पर फैसला करेगी, जो 4.6 मिलियन अमरीकी डालर से शुरू होकर 20.3 मिलियन अमरीकी डालर तक होगी। दासू पनबिजली परियोजना के लिए विश्व बैंक पैसा दे रहा है और ये चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के दायरे में नहीं आता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुआवजे के भुगतान का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ी अड़चन को दूर करना है।

पैसे-पैसे को मोहताज पाकिस्तान नकदी की तंगी से जूझ रहा है और पाकिस्?तान कानूनी रूप से या समझौते की शर्त के रूप में मुआवजा देने के लिए बाध्?य नहीं था। इसके बाद भी इमरान खान सरकार चीनी धमकी के आगे झुक गई और अब अरबों रुपये मुआवजा देगी। गौरतलब है कि इमरान खान सरकार ने अंतरराष्?ट्रीय बेइज्?जती से बचने के लिए पहले इस घटना को गैस लीकेज करार दिया था जिससे चीन भड़क गया था और और सीपीईसी की संयुक्त सहयोग समिति की एक निर्धारित बैठक रद्द कर दी। आतंकवादी हमले के बाद, चीनी ठेकेदारों ने भी परियोजना पर काम बंद कर दिया था और 37 मिलियन अमरीकी डालर के मुआवजे की मांग की थी, जो कि चीन में हमला होने पर चीनी सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि से 500 प्रतिशत अधिक थी।

अफगानिस्तान से अमेरिकन आर्मी को वापस बुलाना कोई गलत कदम नहीं, मैं माफी नहीं मागूंगा: जो बाइडन

वॉशिंगटन (एजेंसी)

20 साल से अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना वहां के लोगों की तालिबानियों के जीवन की रक्षा कर रही थी और उन्हें तालिबानी जुल्मों से बचा रही थी। इसके बाद जब 2020 में अमेरिका में चुनाव हुए और अमेरिका के नये राष्ट्रपति जो बाइडन बनें। जो बाइडन ने जनता से वादा किया कि अब वह अफगानिस्तान से अपनी सेना को वापस अपने देश बुला लेंगे। बाइडन के इस कदम से अफगानिस्तान तहस-नहस हो गया। हजारों लोग मारे गये। एक तरफा संघर्ष में तालिबानी लड़ाकों ने पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। अमेरिका के इस कदम के कारण जो बाइडन की काफी आलोचना की गयी थी। पूरी दुनिया इस बात को कह रही थी कि जो बाइडन को अचानक आर्मी नहीं हटानी चाहिए थी। अब बाइडन ने अपने इस कदम को लेकर चुप्पी तोड़ी है।

अफगानिस्तान से सैनिकों को बाहर निकालने के अपने फैसले का बचाव करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, 'मैंने जो किया उसके लिए मुझे कोई खेद नहीं है'। हालांकि, उन्होंने कहा, 'तालिबान की अक्षमता के परिणामस्वरूप' उसके बाद जो हुआ उसके बारे में उन्हें बुरा लगा। उन्होंने कहा, ₹मैंने जो किया उसके लिए मैं कोई माफी नहीं मांगता। अगर हम रुके होते, तो हमें 20,000-50,000 सैनिकों के बीच वापस बुलाने के लिए कहा जाता। उन्होंने कहा, मुझे उन महिलाओं और पुरुषों के लिए बहुत चिंता है, जिन्हें हवाई अड्डे पर एक आतंकवादी हमले में लाइन पर उड़ा दिया गया था।

पिछले साल अगस्त में काबुल हवाई अड्डे पर हुए दो विस्फोटों में कम से कम 103 लोग मारे गए थे और 143 से अधिक घायल हो गए थे। काबुल हवाईअड्डे पर हुए विस्फोटों में मारे गए लोगों में 12 नौसैनिकों और नौसेना के एक चिकित्सक समेत 13 अमेरिकी सैनिक थे और 18 अन्य सैनिक घायल हुए थे।

31 अगस्त, 2021 को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपनी सेना की वापसी को पूरा किया, 20 साल के युद्ध को समाप्त कर दिया, जिसकी परिणति आतंकवादी तालिबान की सत्ता में वापसी के रूप में हुई। तब से, अफगानिस्तान बड़े पैमाने पर मानवीय संकट से जूझ रहा है। तालिबान के अधिग्रहण के बाद अंतरराष्ट्रीय फंड को फ्रीज करने के साथ, कई लोग भुखमरी का सामना कर रहे हैं। अफगान महिलाएं और लड़कियां भी अपने अधिकारों के लिए विरोध कर रही हैं, जिन्हें रूढ़िवादी शासन द्वारा कम कर दिया गया है।

कमला हैरिस फिर से बाइडन की होंगी साथी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति कमला को लेकर कही ये बात

वाशिंगटन (एजेंसी)

अगर 2024 के चुनाव में वो दोबारा मैदान में उतरते हैं तो मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस फिर से उनकी साथी होंगी। यह बात कहीं है अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने। बाइडन ने कहा कि कमला बेहद अच्छा काम कर रही हैं और वो आगे भी मेरा साथ देने वाली बनेंगी।

इस अवसर पर हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बाइडन ने बड़ी बेबाकी से अपनी बातें रखीं।इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या वो हैरिस के काम से और वोट के अधिकार को लेकर किए गए काम से खुश हैं और क्या वो दोबारा उनके साथ चुनावी मैदान में दिखाई देंगी। तो बाइडन ने कहा कि हां, क्यों नहीं। मैं उनके काम से बेहद खुश हूं। बाइडन ने ये भी कहा कि उन्होंने कमला को नंबर दो की भूमिका में रखा है और अपना काम वो बेहद जिम्मेदारी के साथ कर रही हैं।

बता दें कि पिछले वर्ष दिसंबर में एक संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कमला हैरिस ने कहा था कि उन्होंने इस बारे में बाइडन के साथ फिलहाल कोई बातचीत नहीं की है। बता दें कि अमेरिकी इतिहास कमला हैरिस एक पहली महिला और पहली अश्वेत और एशियाई अमेरिकी महिला हैं जो उपराष्ट्रपति पद पर काबिज हैं। शुरूआत से ही कमला को बाइडन का उत्तराधिकारी भी माना जाता रहा है। कमला हैरिस का जन्म आकलैंड में हुआ है और बार्क्ले में वो पली-बढ़ी हैं। उनकी मां भारत से और पिता जमैका से हैं। वर्ष 2017 में कमला कैलीफार्निया से सीनेटर चुनी गई थीं। वो पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी सीनेटर थीं और साथ ही दूसरी अफ्रीकी अमेरिकी महिला सीनेटर भी थीं। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी और गर्वनमेंटल अफेयर्स कमेटी में भी अहम भूमिका निभाई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

-यूपी में अपना दल 15 तो निषाद पार्टी 10 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

भाजपा के सहयोगी दलों के बीच सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर सहमति

लखनऊ।

यूपी में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दलों के बीच सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर सहमति बन गई है। सूत्रों की मानें तो भाजपा, अपना दल और निषाद पार्टी के बीच सीटों पर सहमति बन गई है और दोनों दलों की सीटों का ऐलान हो सकता है। माना जा रहा है कि भाजपा गठबंधन में अपना दल (एस) जहां 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, वहीं निषाद पार्टी के खाते में 10 सीटें आई हैं। सूत्रों की मानें तो निषाद पार्टी 15 से 17 सीटों की मांग पर अड़ी थी, जिसे लेकर भाजपा के साथ कई दौर की बैठक भी हुई। मगर आखिरकार भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने निषाद पार्टी को 10 सीट देने पर मुहर लगाई है। बताया जा रहा है कि निषाद पार्टी भी इतने सीट पर मान गई है। जल्द इसकी घोषणा हो सकती है। वहीं भाजपा ने 23 माह बाद जेल से बाहर आए आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को घेरने की भी रणनीति बना ली है। बीजेपी और अपना दल गठबंधन से अब्दुल्ला आजम के खिलाफ नवाब हमजा को उतारने की तैयारी है। माना जा रहा है कि अब्दुल्ला आजम सपा से चुनाव लड़ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, यूपी की कटहरी, ज्ञानपुर, शाहगंज, जयसिंहपुर, गोरखपुर ग्रामीण, मेहदावल, तमकुही राज, नौतनवां, अतरौलिया, बारां, हंडिया, तिंदवारी, काल्पी, सकलडीहा, सुआर, जखनिया सीट निषाद पार्टी के खाते में जा सकती है। लोकसभा चुनाव 2019 में निषाद पार्टी का भाजपा से गठबंधन हुआ था। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिए सात चरणों में मतदान 10 फरवरी से शुरू होगा। उत्तर प्रदेश में अन्य चरणों में मतदान 14, 20, 23, 27 फरवरी, 3 और 7 मार्च को होगा। वहीं यूपी चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे। 2017 के चुनाव में बीजेपी ने यहां की 403 में से 325 सीटों पर जीत दर्ज की थी। सपा और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। सपा ने 47 और कांग्रेस ने 7 सीटें ही जीती थीं। मायावती की बसपा 19 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। वहीं 4 सीटों पर अन्य का कब्जा हुआ था।

चुनाव से पहले ही मुस्लिम और जाट गठजोड़ में दरार उम्मीदवारों पर रार

मुजफ्फरनगर । एक साल से ज्यादा वक्त तक चले किसान आंदोलन के बाद यह माना जा रहा था कि इस बार भाजपा को पश्चिम यूपी में मुश्किलें आएंगी। कहा गया था कि 2013 में मुजफ्फरनगर दंगों के बाद जाट और मुस्लिमों के बीच जो खाई पैदा हुई थी, वह किसान आंदोलन ने खत्म कर दी है। ऐसे में यहां की राजनीति में एक बार फिर भाजपा कमजोर होगी और परंपरागत सामाजिक गठजोड़ बनने से रालोद को फायदा होगा। लेकिन चुनाव के ऐलान और प्रत्याशियों की घोषणा के बाद ऐसा होता नहीं दिख रहा है। जाट बहुल जिन सीटों पर रालोद को मजबूत माना जा रहा था, वहीं पर यह गठजोड़ कमजोर होता दिख रहा है। छपरौली, कैराना, सिवालखास से लेकर मांट तक में ऐसी ही स्थिति है। दरअसल जाट समुदाय के एक वर्ग का मानना है कि सपा के साथ गठजोड़ में जयंत चौधरी अच्छा मोलभाव नहीं कर पाए और अपने गढ़ वाली सीटों को ही अखिलेश के हवाले कर दिया। एक तरफ मुजफ्फरनगर जिले की सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट न देने से मुस्लिम वर्ग नाराज है तो वहीं सिवालखास, कैराना और बागपत जैसी सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट देने को लेकर जाट बिरादरी नाराज है। रालोद के पुराने कार्यकर्ता भी जयंत के फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं। यही नहीं आगरा की मांट सीट पर तो एक तरफ सपा की ओर से संजय लाठर उतरने जा रहे हैं तो वहीं रालोद के पुराने नेता योगेश नौहवार ने पीछे हटने की बात तो मान ली है, लेकिन भीतरघात का डर सता रहा है। सबसे ज्यादा विरोध तो मेरठ की जाट बहुल सीट कही जाने वाली सिवालखास पर दिख रहा है। यहां रालोद के सिंबल पर सपा नेता और पूर्व विधायक गुलाम मोहम्मद को चुनाव लड़ाए जाने की घोषणा के बाद पूरे सियासी हल्के में भूचाल आ गया है। दिल्ली से लेकर सिवालखास तक लोग खुलकर विरोध में आ गए हैं। रालोद के फेसबुक पेज पर लोगों ने टिकट पर सवाल उठा दिए। लोगों में गुस्सा इतना है कि कई गांवों में जयंत के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रालोद के झंडे में आग लगा दी गई।

कांग्रेस और सपा दोनों ही दल भ्रष्टाचार के पक्ष में : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ ।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि, सिराथू (कौशांबी) से आगामी चुनाव लड़कर मुझे खुशी हो रही है।बीजेपी को राज्य में विधानसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटें मिलेंगी।इस बीच उन्होंने कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा है।मौर्य ने कहा कि, कांग्रेस भ्रष्ट लोगों पर कार्रवाई का विरोध करती है, यह इंगित करती है कि वे भ्रष्टाचार के पक्ष में हैं।समाजवादी पार्टी बन रही है %समाप्त पार्टी। दरअसल, सिराथू सीट के जातिगत वोटबैंक पर अनुसूचित जाति वर्ग के सबसे अधिक 45 प्रतिशत मतदाता हैं। दूसरे नंबर पर पिछड़े वर्ग के 24 प्रतिशत मतदाता हैं।इसके बाद अन्य मतदाताओं की संख्या करीब 32 प्रतिशत है। बीजीपी ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों का ऐलान भी पूरी रणनीति के साथ किया है। दरअसल, स्वामी प्रसाद मौर्य के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद पार्टी को कहीं न कहीं लगने लगा था कि कुछ हद तक ओबीसी वोटबैंक छिटक सकता है। बीजेपी के खिलाफ ओबीसी वर्ग की नाराजगी दूर करने के लिए पार्टी ने काट निकाल लिया है।बीजेपी के उम्मीदवारों में 44 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं, जबकि 19 अनुसूचित जाति से हैं। दोनों वर्गों को मिलाकर यह आंकड़ा कुल घोषित उम्मीदवारों का 60 प्रतिशत है।

जदयू ने बीजेपी को दिखाए तेवर

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर वहां की 51 सीटों और उनके उम्मीदवारों की सूची जदयू ने तैयार कर ली है। अगर शीघ्र भाजपा के साथ गठबंधन पर निर्णय नहीं होता है तो जदयू इस सूची को जारी कर देगा। उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची को जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने स्वीकृत कर वहां के प्रदेश अध्यक्ष अनूप पटेल को अधिकृत कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वे एक-दो दिनों के इंतजार के बाद इसे जारी कर सकते हैं। यूपी चुनाव पर दिल्ली में बुधवार को ललन सिंह की अध्यक्षता में पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव केसी त्यागी और यूपी प्रदेश अध्यक्ष अनूप पटेल उपस्थित थे। बैठक के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आरसीपी सिंह ने बताया है कि यूपी चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन पर बातचीत जारी है। शीघ्र निर्णय हो जाएगा। इस बैठक में निर्णय हुआ कि आरसीपी सिंह भाजपा से वार्ता कर शीघ्र समझौते पर निर्णय कराएं। स्टैंड क्लियर होना चाहिए। अगर गठबंधन पर भाजपा के साथ शीघ्र समझौता नहीं होता है तो जदयू अपनी सूची को जारी कर देगा। ललन सिंह ने कहा कि 51 उम्मीदवारों की सूची लेकर पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव और यूपी प्रदेश अध्यक्ष बैठक में आए थे।

एफएआईएफए की सिगरेट, अन्य तंबाकू उत्पादों के बीच मूल्य समानता की मांग

मुंबई । कृषक संगठन एफएआईएफए ने गुरुवार को मोदी सरकार से अवैध सिगरेट बाजार पर अंकुश रखने के लिए सिगरेट और तंबाकू के अन्य उत्पादों के बीच मूल्य समानता लाने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि अवैध सिगरेट कारोबार से तंबाकू किसानों की आजीविका को नुकसान हो रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशन (एफएआईएफए),ने कहा कि भारत में कानूनी सिगरेट की खपत की कीमत 'उपभोक्ताओं की खरीदारी क्षमता के अधिकतम स्तर तक पहुंची है।जबकि बाजार में अवैध सिगरेट और विकल्पों का बाजार सस्ता और तेजी से बढ़ रहा है।' एफएआईएफए आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और गुजरात के वाणिज्यिक फसल उगाने वाले किसानों और खेत मजदूरों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। संघ ने कहा, करों में और वृद्धि से एफसीवी (फ्लू-क्योर वर्जीनिया तंबाकू) की खेती में भारी कमी आएगी और किसानों की आजीविका प्रभावित होगी। एफएआईएफए के उपाध्यक्ष ने कहा कि उपरोक्त स्थिति किसान समुदाय पर दबाव डाल रही है क्योंकि उपभोक्ता तस्करी वाली सिगरेट की ओर रुख करते हैं।इसमें घरेलू तंबाकू का उपयोग नहीं होता है।यह देखते हुए कि भारत में तंबाकू खेती करने वाले किसानों की आजीविका के लिए तंबाकू की फसल पर बहुत बड़ी और व्यापक निर्भरता है, सरकार को अवैध सिगरेट बाजार पर अंकुश रखने के लिए सिगरेट और तंबाकू के अन्य उत्पादों के बीच मूल्य समानता लाने के लिए उचित और जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए। एफएआईएफए ने कहा, ''भारत में 'फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया' तंबाकू (एफसीवी) की खेती का रकबा भी वर्ष 2013-14 के 2,21,385 हेक्टेयर से घटकर वर्ष 2020-21 में 1,22,257 हेक्टेयर रह गया है, जिससे 3.5 करोड़ मानव-दिवस रोजगार का नुकसान हुआ है।''

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से पहली सूची जारी

देहरादून ।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से पहली सूची जारी हुई है। पहली सूची में 59 नामों को शामिल किया है। नामों की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री और उत्तराखंड प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा उत्तराखंड की रचना हुई। कांग्रेस पार्टी और अन्य दल तब भी उत्तराखंड के गठन का विरोध कर रहे थे। यूपीए के कार्यकाल में भी उत्तराखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता रहा है। इसके साथ ही जोशी ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में उत्तराखंड में विकास हो रहा है। देश की सुरक्षा में उत्तराखंड का बहुत बड़ा योगदान है। उत्तराखंड में सैन्य धाम की स्थापना की कल्पना भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने की है। 59 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने ऐलान किया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने परंपरागत सीट खटीमा से ही चुनावी मैदान में उतरने वाले हैं, जबकि उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक हरिद्वार से चुनावी मैदान में उतरने वाले है। इसके अलावा यमुनोत्री से केदार सिंह रावत, बद्रीनाथ से महेंद्र भट्ट, रुद्रप्रयाग से भरत सिंह चौधरी चुनावी मैदान में उतरने वाले हैं। थराली से गोपाल नाथ टम्टा, घनशाली से शक्ति लाल शाह और मसूरी से गणेश जोशी को टिकट दिया गया है। गणेश जोशी पूर्व सैनिक रहे हैं। डॉक्टर धन सिंह रावत को भी टिकट दिया गया है। इसके अलावा चौबट्टे टाखाल से सतपाल महाराज चुनावी मैदान में होंगे। 11 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को लेकर अब भी मंथन चल रहा है। 15 ब्राह्मण और तीन बनिया उम्मीदवार बनाए गए हैं। पहली सूची में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत का नाम नहीं है। हालांकि त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पहले ही हाईकमान को पत्र लिखकर आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार न बनाए जाने की अपील की थी। पिछले हफ्ते उत्तराखंड महिला कांग्रेस के अध्यक्ष सरिता आर्या भाजपा में शामिल हुई थीं उन्हें भी नैनीताल से टिकट दिया गया है। अरुण नौटियाल को कर्णप्रयाग से टिकट दिया गया है।

कारगिल युद्ध के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा की प्रतिमा का पालमपुर में अनावरण

पालमपुर।

कारगिल युद्ध के नायक कैप्टन विक्रम बत्रा की प्रतिमा का अनावरण जिला कांगडा के पालमपुर में सेना छावनी इलाके में उनके माता-पिता ने उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल वाईके जोशी की मौजूदगी में किया। लेफ्टिनेंट जनरल जोशी 13 जेएके आरआईएफ, कैप्टन बत्रा की करगिल युद्ध के दौरान रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे। कारगिल युद्ध के दौरान मरणोपरांत कैप्टन बत्रा को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

लेफ्टिनेंट जनरल जोशी ने कैप्टन बत्रा के अदम्य साहस को याद कर कहा कि उन्होंने अपने जवानों को बहादुरी से लड़ने के लिए प्रेरित किया और अंततः प्वाइंट 5140 पर कब्जा कर लिया, जिसने द्रास सेक्टर में प्वाइंट 5100, प्वाइंट 4700, जंक्शन पीक और थ्री पिंपल पर जीत का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा, बहादुर दिलों द्वारा किए गए बलिदान को कभी नहीं भुला सकता, जिन्होंने कर्तव्य की पुकार से परे जाकर अनुकरणीय साहस दिखाया। इस मौके पर बत्तरा के पिता जीएल बत्तरा ने भी अपने बेटे के जीवन की यादों को लोगों के साथ साझा किया। कैप्टन के पिता कहते हैं, कि उनके बेटे के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टीनेंट कर्नल वाय.के.जोशी ने विक्रम को शेरशाह उपनाम से नवाजा था।अंतिम समय मिशन लगभग पूरा हो चुका था जब कैप्टन अपने कनिष्ठ अधिकारी लेफ्टीनेंट नवीन को बचाने के लिए लपके। लड़ाई के दौरान एक विस्फोट में लेफ्टीनेंट नवीन के दोनों पैर बुरी तरह जख्मी हो गये थे। जब कैप्टन बत्रा लेफ्टीनेंट को बचाने के लिए पीछे घसीट रहे थे तब उनकी की छाती में गोली लगी और माँ भारती का यह लाडला जय माता दी कहते हुए वीरगति को प्राप्त हुआ।

अपनी वीरता, जोश-जूनून, दिलेरी और नेतृत्व क्षमता से 24 साल की उम्र में ही सबको अपना दीवाना बना देने वाले इस वीर योद्धा को 15 अगस्त 1999 को वीरता के सबसे बड़े पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित गया जो उनके पिता जी.एल. बत्रा ने प्राप्त किया। जी एल बत्तरा बताते हैं कि जिस उम्र में युवाओं को अच्छे बुरे की पहचान भी नहीं होती उस उम्र में यानी 18 साल की उम्र में विक्रम ने नेत्र दान करने का निर्णय ले लिया था। उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। इस अवसर पर मेजर जनरल एमपी सिंह, जीओसी, दाह डिवीजन; कैप्टन बत्रा के शिक्षक आरएस गुलेरिया, सुमन मैनी और नीलम वत्स भी मौजूद थे।

सपा का बड़ा ऐलान

मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ेंगे अखिलेश यादव

गोरखपुर।

सीएम योगी के गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी विधानसभा चुनाव में कूदने का फैसला कर लिया है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी ने भी इस पर मुहर लगा दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि इससे पहले अखिलेश के आजमगढ़ और संभल की सीटों से चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन गुरुवार को अखिलेश के चुनाव लड़ने को लेकर सपा ने स्थिति को साफ कर दिया है। आपको बता दें कि मैनपुरी सपा का गढ़ माना जाता है। इस समय मैनपुरी से मुलायम सिंह यादव सांसद हैं। मैनपुरी के अलावा इटावा, फर्रुखाबाद, सैफई भी सपा का घर माना जाता है। योगी आदित्यनाथ की राह पर निकले अखिलेश यादव और चाचा शिवपाल सिंह यादव भी यूपी के चुनावी रण में कूदने जा रहे हैं। हालांकि शिवपाल यादव किस सीट से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर अभी स्थिति साफ नहीं हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रगतिशील पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव जसवंतनगर सीट से मैदान में उतर सकते हैं। बता दें कि गोरखपुर से योगी आदित्यनाथ के चुनाव लड़ने की खबर के बाद सपा में भी अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने को लेकर हलचल शुरू हो गई थी। गुरुवार दोपहर तक समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव कहां से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर उहा-पोह की स्थिति बनी हुई थी। भाजपा नेतृत्व योगी आदित्यनाथ को गोरखपुर और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को कौशांबी की सिराथू विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाने का ऐलान कर चुका है। इसके चलते अखिलेश यादव पर चुनाव लड़ने का दबाव बन रहा था। अखिलेश यादव मौजूदा समय में आजमगढ़ के सांसद हैं। अखिलेश ने अभी तक विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ा है। वर्ष 2012 में मुख्यमंत्री बनने के बाद वह विधानसभा परिषद सदस्य के बने थे। बुधवार को अखिलेश के गोपालपुर या मैनपुरी से चुनाव लड़ने की चर्चाएं शुरू हुईं थीं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में स्थिति साफ करते हुए कहा कि अभी तय नहीं है कि वह कहां से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन यह साफ है कि चुनाव लड़ने से पहले वह आजमगढ़ की जनता से जरूर पूछेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह चाहते हैं कि योगी आदित्यनाथ से पहले वह चुनाव लड़े। योगी आदित्यनाथ गोरखपुर विधानसभा से चुनाव लड़ रहे हैं वहां पर छठे चरण में 3 मार्च को मतदान होना है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में 24 जनवरी से खुलेंगे कक्षा 1 से 12वीं तक के स्कूल

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों में बढ़ोत्तरी के बावजूद राज्य सरकार ने स्कूलों को फिर से खोलने का फैसला किया है। महाराष्ट्र की स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने गुरुवार को ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के स्कूल 24 जनवरी से फिर से खुलेंगे। मंत्री ने बताया कि उनके इस प्रस्ताव पर महाराष्ट्र सीएम ने भी सहमति जताई है। हालांकि, सरकार ने शहरों में स्थानीय नगर निकायों और जिलों में प्रशासन को कोविड-19 की स्थिति के आधार पर ऑफलाइन कक्षाओं को फिर से खोलने पर निर्णय लेने का अधिकार दिया है। वर्षा गायकवाड़ ने कहा 24 (जनवरी) से हम कक्षा 1-12वीं के स्कूलों को कोविड प्रोटोकॉल के साथ फिर से खोलेंगे; सीएम ने हमारे प्रस्ताव पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा, हमने 24 जनवरी से ही प्री-प्राइमरी स्कूल खोलने का भी फैसला किया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 24 जनवरी से स्कूलों को ऑफलाइन कक्षाओं के लिए फिर से खोलने का प्रस्ताव दिया था, जिसे मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया था। स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि स्कूलों को फिर से खोलने के लिए विभाग को विभिन्न हितधारकों से कई आवेदन प्राप्त हुए हैं, और विभाग ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने कक्षा 1 से 12 के लिए ऑफलाइन स्कूलों को फिर से खोलने की सहमति दी। अब तक, प्री-प्राइमरी स्कूल भी बंद थे। लेकिन हमने प्री-प्राइमरी स्कूलों को भी फिर से खोलने का फैसला किया है। जहां भी कोविड के मामले कम हुए हैं, वहां 24 जनवरी से फिर स्कूल खोलेंगे। हालांकि, कोविड-उपयुक्त व्यवहार, सरकार द्वारा जारी एसओपी का पालन स्कूलों द्वारा किया जाना चाहिए।

जीसीसीआई ने पीएम को खत लिखकर स्थायी खनन को फिर से शुरू करने को कहा

नई दिल्ली। गोवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य में स्थायी खनन को फिर से शुरू करने की मांग की है। जीसीसीआई ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि खनन कार्यों के बंद होने से राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव होगा है।सुप्रीम कोर्ट द्वारा 88 खनन पट्टों को रद्द करने के बाद मार्च, 2018 में गोवा में खनन कार्य पर रोक लगा दी थी। जीसीसीआई ने पत्र में कहा, खनन कार्यों के निरंतर ठप रहने से गोवा की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को देखकर खनन को फिर से शुरू करने की आवश्यकता है।खनन कार्यों के बंद रहने से उद्योग पर निर्भर एक बड़ी आबादी के सहित राज्य के राजस्व पर नकरात्मक प्रभाव पड़ा है।जीसीसीआई ने शीर्ष न्यायालय द्वारा तय दिशानिर्देशों के तहत मौजूदा पट्टाधारकों को पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ, विनियमित और पारदर्शी खनन संचालन की अनुमति देने की वकालत की है।

पटना एम्स में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के कोरोना संक्रमित होने से बढ़ी दिक्कत

पटना । कोरोना का असर शहर के अस्पतालों में दिख रहा है। नॉन कोविड यानी सामान्य मरीजों को सही इलाज नहीं मिलने की वजह से इन दिनों सबसे अधिक परेशानी बढ़ी है। पटना एम्स के कई विभागों के वार्डों में इन दिनों सामान्य मरीजों का इलाज नहीं हो रहा है। इससे अस्पताल के इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेंटर में दबाव बढ़ गया है।रोजाना 20-25 मरीज बिना इलाज के लौट रहे हैं। खासकर अस्पताल के नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी और गैस्ट्रोलॉजी सहित कई विभागों के मरीजों को इलाज के लिए जहोजहद करनी पड़ रही है। एम्स में कोरोना के सबसे अधिक मरीज बढ़ने और करीब तीन दर्जन से अधिक डॉक्टरों व 100 से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों के पॉजिटिव होने से संस्थान प्रशासन ने 40 प्रतिशत बेड कोरोना मरीजों के लिए रिजर्व कर रखा है। बहुत सारे ऑपरेशन वाले मरीजों की छुट्टी कर आगे की तारीख दी गई है। अब यह मरीज परेशान होने पर इमरजेंसी में पहुंच रहे हैं। वहीं, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि अन्य अस्पतालों की तुलना में पटना एम्स में सबसे अधिक कोरोना के मरीज भर्ती हुए हैं।मरीज के बढ़ने की वजह से डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। इसकी वजह से कुछ वार्ड बंद कर दिए गए है। हालांकि कैंसर, डायलिसिसि समेत अन्य सभी विभागों में मरीजों की भर्ती हो रही है।

कर्ज नहीं चुकाने वाले किसानों की कृषि भूमि को बैंक नहीं करे नीलाम

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कर्ज नहीं चुकाने वाले किसानों की कृषि भूमि को बैंकों द्वारा नीलाम किए जाने से रोकने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''राज्य में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधीन आने वाले व्यावसायिक बैंक रोडा (रिमूवल ऑफ डिफिक्लटीज) कानून के तहत कर्ज चुकाने में असमर्थ किसानों की जमीनें जब्त करने एवं नीलामी की कार्रवाई कर रहे थे। राज्य सरकार के अधिकारियों को इस प्रक्रिया रोकने के निर्देश दिए गए हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार ने सहकारी बैंकों के कर्ज माफ किए हैं।वहीं केंद्र की मोदी सरकार से आग्रह किया है कि वाणिज्यिक बैंकों से एकमुश्त निपटान कर किसानों के कर्ज माफ करें। राज्य सरकार इसमें भी अपने हिस्से का बोझ उठाने को तैयार है। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार ने पांच एकड़ तक के कृषि भूमि वाले किसानों की जमीन की नीलामी पर रोक का विधेयक विधानसभा में पारित किया था, लेकिन राज्यपाल की अनुमति नहीं मिलने से अभी कानून नहीं बन सका है। मुझे दुख है कि इस कानून के नहीं बन पाने के कारण ऐसी नौबत आ रही है। गहलोत ने कहा कि इस विधेयक को जल्द अनुमति मिलेगी जिससे आगे जमीनों की नीलामी की स्थिति नहीं पैदा होगी। उल्लेखनीय है कि कर्ज नहीं चुका पाने वाले किसानों की भूमि नीलाम करने के नोटिस जारी किए जाने के कई मामले हाल में सामने आए हैं। मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मुद्दे को लेकर राज्य में कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार को घेरने का प्रयास किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले राजपथ पर कड़ी सुरक्षा।

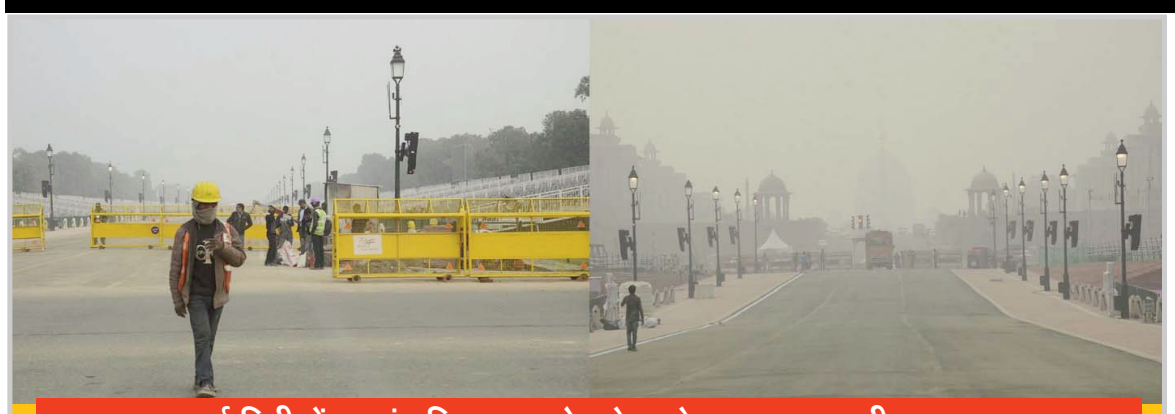

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी पर दिया जोर

जिनेवा । भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ÷महिला, शांति और सुरक्षा÷ पर खुली बहस में दुनिया भर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं की भागीदारी और उनके खिलाफ हिंसा को समाप्त करने पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने शांति और सुरक्षा प्रक्रियाओं में महिलाओं को लक्षित करने वाली हिंसा बारे संबोधित करते हुए राजनीतिक प्रक्रियाओं और निर्णय लेने में महिलाओं की पूर्ण और सार्थक भागीदारी के लिए अपने दृढ़ समर्थन पर प्रकाश डाला। तिरुमूर्ति ने कहा, भारत आज महिला विकास के प्रतिमान से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ चुका है।÷ ÷2007 में, भारत ने लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिए पहली बार सभी महिला गठित पुलिस यूनिट को तैनात करके इतिहास रचा था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि इस इकाई ने लाइबेरिया में एक दशक तक सेवा की और अपने काम के माध्यम से इस बात का उदाहरण दिया कि कैसे महिला वर्दीधारी कर्मी यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की मदद कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि भारत में जमीनी स्तर पर 1.3 मिलियन से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। जिन्होंने अपने स्थानीय समुदायों में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। यहां तक कि इसमें सभी महिला पंचायतें, ग्राम स्तर पर निर्वाचित स्थानीय निकाय, जमीनी स्तर पर हैं। बीस भारतीय राज्यों ने महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर विधायी निकायों में कुल सीटों के 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है।भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भागीदारी का उदाहरण देकर भारतीय राजदूत ने कहा कि महिलाएं व्यावहारिक रूप से हर पहलू में सबसे आगे थीं।

पहला कॉलम

26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित करने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद

शिमला (एजेंसी) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की है। वीर बाल दिवस कार्यक्रम के हिमाचल प्रदेश में सफल क्रियान्वयन हेतु प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने विधायक सरदार परमजीत सिंह पम्मी को प्रदेश संयोजक तथा पार्षद शिमला नगर निगम सरदार जसविन्द्र सिंह को सह-संयोजक बनाया है। भाजपा कार्यक्रम सह-संयोजक जसविन्द्र सिंह ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर साल 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' घोषित करने का निर्णय अभिनंदनीय है। यह निर्णय, चार साहिबजादों की राष्ट्रभक्ति को सच्ची श्रद्धांजलि है,वहीं आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कहा वर्षों से हर भारतवासी माता गुजरी और गुरु गोबिंद सिंह के दिखाए सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलता आ रहा है।धर्म आधारित मूल्यों हेतु अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले 4 साहिबजादे युगों-युगों तक देश सेवा में कार्यरत हर राष्ट्रभक्त को अन्याय के विरुद्ध लड़ने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने कहा 'माता गुजरी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चार साहिबजादों की बहादुरी और आदर्शों ने लाखों लोगों को ताकत दी।उन्होंने कभी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया। उन्होंने समावेशी और सौहार्दपूर्ण विश्व की कल्पना की। यह समय की मांग है कि और लोगों को उनके बारे में पता चले। निर्णय के बाद हम आने वाली पीढ़ी को बताएंगे कि धर्म की सुरक्षा के लिए श्री गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने अपनी कुरबानी दे दी, साहिबजादों को जिंदा चुनवा दिया गया था। उन्होंने कहा कि सिख समाज से प्रधानमंत्री का विशेष लगाव रहा है, उन्होंने बताया कि 1984 दंगा पीड़ितों के लिए एसआईटी का गठन कर इंसाफ दिलाया।श्री गुरुगोविंद सिंह जयंती मनाने के लिए विशेष 100 करोड़ का बजट का प्रावधान किया गया, देश विभाजन के दौरान पाकिस्तान या अन्य देशों में रह गए लोगों को लाने के लिए सीएए और एनआरसी लाकर रास्ता निकाला।

आप के सीएम फेस भगवंत मान धुरी सीट से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां इस वक्त प्रत्याशियों को फाइनल करने में जुटे हैं। आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई के सीएम चेहरा भगवंत मान के धुरी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी की ओर से राघव चड्ढा ने इसकी पुष्टि कर ली है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की ओर से राघव चड्ढा ने बताया कि भगवंत मान के धुरी हलके से चुनाव मैदान में उतरेंगे। उन्होंने इसकी औपचारिक घोषणा की। ज्ञातव्य है कि मान को दो दिन पहले ही पार्टी का सीएम चेहरा घोषित किया था। वह पिछले दो बार संगरूर संसदीय क्षेत्र से सांसद रहे हैं और अब उनके कंधों पर पार्टी की कमान संभालते हुये बड़ी जिम्मेदारी डाली गयी है। काबिलेगौर है कि भगवंत मान मालवा क्षेत्र से आते हैं और अब तक मालवा ने सबसे अधिक मुख्यमंत्री दिये हैं। अब देखने की बात है कि शिरोमणि अकाली दल का मुख्यमंत्री चेहरा सुखबीर बादल और आप के ओर से भगवंत मान, चुनाव में क्या करिश्मा दिखा पाते हैं? उधर, कांग्रेस में आपसी उठापटक के चलते अभी सीएम फेस पर किसी के नाम की मुहर नहीं लगायी है। हालांकि माना जा रहा है कि चरणजीत सिंह चन्नी ही पंजाब में कांग्रेस का चेहरा होंगे। वहीं, अमरिंदर -भाजपा और संयुक्त अकाली दल गठबंधन का सीएम चेहरा कौन होगा यह तो समय ही बतायेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सहयोग से मारीशस में कई परियोजना का उद्घाटन किया

कई समझौतों पर लगी मुहर

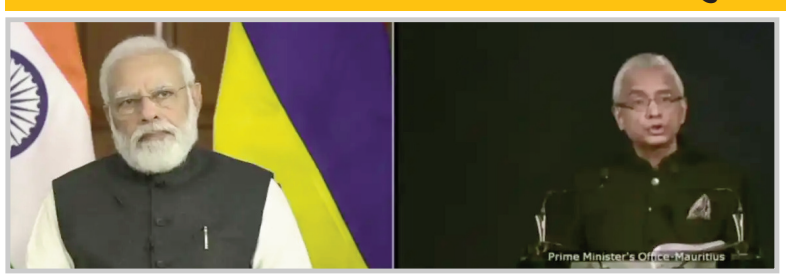

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मारीशस में भारत के सहयोग से बनी सामाजिक आवास इकाइयों की परियोजना का अपने समकक्ष प्रविंद जगन्नाथ के साथ संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि मारीशस पहला देश था जिसको भारत ने वैक्सीन मैत्री के तहत कोविड-19 रोधी टीके भेजे थे।

समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों नेताओं ने मारीशस में आठ मेगावाट की सोलर पीवी फार्म और सिविल सर्विस कॉलेज परियोजनाओं की भी शुरुआत की। इनको भारत की मदद से चलाया जा रहा है। इस मौके पर मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भारत से मरीशस को 19 करोड़ अमेरिकी डालर की कर्ज सुविधा देने पर समझौता किया गया। इस कार्यक्रम में विकास की छोटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर समझौता ज्ञापन यानी एमओयू साइन हुए। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि अपनी 2015 की यात्रा के दौरान मारीशस में मैंने भारत के समुद्री सहयोग के दृष्टिकोण 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' को रेखांकित किया था। मुझे इस बात की खुशी है कि समुद्री सुरक्षा सहित हमारे द्विपक्षीय सहयोग ने इस दृष्टिकोण को क्रियान्वित किया है। भारत और मारीशस इतिहास, संस्कृति, भाषा और हिंद महासागर के साझा जल से एकजुट हैं। आज हमारी मजबूत विकास साझेदारी हमारे घनिष्ठ संबंधों के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मारीशस पहला देश था जिसे भारत ने वैक्सीन मैत्री के तहत कोविड-19 रोधी वैके सीन भेजी थी। आज इस बात की बेहद खुशी है कि मारीशस उन देशों में है जिन्होंने अपनी तीन-चौथाई आबादी का पूरी तरह टीकाकरण कर दिया है। वहीं मारीशस के पीएम प्रविंद जगन्नाथ ने कहा कि मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना के लिए भारत के समर्थन का आभार व्यक्त करने के लिए मेरी सरकार ने एक प्रमुख मेट्रो स्टेशन का नाम 'महात्मा गांधी' स्टेशन रखने का फैसला किया है।

सपा-कांग्रेस को झटका अखिलेश के मौसा और कांग्रेस की पोस्टर गर्ल प्रियंका मौर्य भाजपा में शामिल

गोरखपुर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए राजनीतिक दलों की सेंधमारी लगातार जारी है। आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है।

भगवा पार्टी ने आज अखिलेश यादव के मौसा प्रमोद गुप्ता, प्रियंका गांधी वाड्रा की पोस्टर गर्ल प्रियंका मौर्य और नितिन अग्रवाल सहित कई नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। आपको बता दें कि मुलायम सिंह यादव के समधी हरिओम यादव भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

वहीं, कल ही मुलायम सिंह की बहू ने भी भाजपा का दामन थाम लिया था। केशव प्रसाद मौर्य और यूपी बीजेपी के अध्यक्ष ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई थी। भाजपा जॉइन करने से पहले प्रमोद गुप्ता ने कहा, ÷अखिलेश यादव ने मुलायम सिंह यादव को जेल में डाल दिया है और पार्टी में उनकी स्थिति बहुत खराब है। समाजवादी पार्टी में अपराधियों और जुआरियों को शामिल किया गया है।'' उत्तर प्रदेश में महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष प्रियंका मौर्य ने कहा कि ÷उन्होंने (कांग्रेस) मेरे चेहरे, मेरे नाम और मेरे 10 लाख सोशल मीडिया फॉलोअर्स का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया। लेकिन जब आने वाले चुनाव के लिए टिकट की बात आई, तो यह किसी और को दे दिया गया। यह अन्याय है।''

उन्होंने आगे कहा कि मुझे टिकट नहीं मिला क्योंकि मैं एक ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की लड़की हूं और प्रियंका गांधी के सचिव संदीप सिंह को रिश्वत नहीं दे सकती थी।

घर में बीजेपी की डबल सेंध खत्म कर रहे हैं हमारा परिवारवाद : अखिलेश यादव

इलाहाबाद (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मुलायम सिंह यादव के परिवार में डबल सेंध लगा दी है। पहले मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव और अब उनके साढ़ू प्रमोद गुप्ता ने भाजपा का दामन थाम लिया है। अब अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि

बीजेपी जो कल तक उनपर परिवारवाद का आरोप लगा रही थी वह अब इसे खत्म कर रही है। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव से जब परिवार के दो सदस्यों के बीजेपी में शामिल होने और उनकी ओर से आलोचना किए जाने को लेकर सवाल किया गया तो सपा अध्यक्ष ने कहा, ''कहा मुझे तो यह बात समझ नहीं आ रही है। बीजेपी को तो खुश होना चाहिए इस बात से। भाजपा जो आरोप लगाती है परिवारवाद का। कम से कम हमारे परिवारवाद को तो खत्म कर रहे हैं वो लोग। इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं। कल हम पर आरोप लगा रहे थे।'' एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसी के घर में लड़ाई नहीं करवा सकती। हम किसी के परिवार में झगड़ा नहीं करवाएंगे। क्या बीजेपी जानबूझकर आपके घर में लड़ाई करवा रही है? इसके जलाब में अखिलेश ने कहा, ''आपकी आंख नहीं खुली? कैसे पत्रकार हैं आप? आपको अब तक पता नहीं लगा। जिस तरह सपा में बड़े-बड़े नेता शामिल हुए स्वामी प्रसाद मौर्य और दारा सिंह चौहान, उनके पास लोगों का समर्थन है, जिस तरह सपा ने दलों को जोड़ा है। जो परसेप्शन है, परसेप्शन की लड़ाई में बीजेपी हार चुकी है।

उत्तर भारत के राज्यों में बढ सकता है सर्दी का कहर

-दिल्ली, हरियाणा, पंजाब समेत कई राज्यों में हो सकती बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के उत्तर भारत के कई राज्यों में सर्दी का कहर और बढ़ सकता है। शनिवार और रविवार को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब समेत उत्तर पश्चिम भारत के कई राज्यों में बारिश हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते यह स्थिति बन सकती है। इन इलाकों में शुक्रवार की रात से ही बारिश शुरू हो सकती है, जो अगले दो दिनों तक जारी रहेगी। यही नहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी में यह बारिश गुरुवार से ही शुरू हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन दिनों में जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तान, हिमाचल प्रदेश, मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में बारिश हो सकती है। ऊपरी इलाकों में बर्फबारी होने की उम्मीद है और निचले इलाकों में बारिश से पारा और लुढ़क सकता है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और यूपी में बीते कई दिनों से खुलकर धूप नहीं निकल रही है और इसके चलते लोगों को भीषण सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर शीतलहर का कहर लोगों को झेलना पड़ रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि बारिश के चलते पारा थोड़ा और लुढ़क सकता है। इससे साफ है कि इस महीने के अंत तक सर्दी का सितम फिलहाल जारी रहेगा। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, हरियाणा जैसे उत्तर भारत के राज्यों के अलावा सिक्किम, बंगाल, बिहार, झारखंड यानी पूर्वी भारत में भी 22 और 23 जनवरी को बारिश होगी। इसके अलावा सुबह और रात में मैदानी इलाकों में घना कोहरा जारी रहने की संभावना है। खासतौर पर यूपी और बिहार के इलाकों में अगले दो दिनों तक शीत लहर का प्रकोप जारी रह सकता है। वहीं हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश में भी ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। हिमाचल प्रदेश में 22 जनवरी को भारी बर्फबारी और बारिश हो सकती है। इसके अलावा चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तर राजस्थान में 21 जनवरी से ही बारिश शुरू हो सकती है, जो 22 और 23 जनवरी को और बढ़ जाएगी।

मध्य प्रदेश में भी बारिश होगी। हरियाणा और पंजाब में 22 जनवरी को ज्यादा बारिश होने की संभावना है। यही नहीं 22 और 23 जनवरी की बारिश लंबे क्षेत्र में होनी है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर की सूझबूझ से बाल-बाल बची विमान यात्रियों की जान

बेंगलुरु । एयर ट्रैफिक कंट्रोलर लोकेंद्र सिंह (42) की सूझबूझ से आसमान में उड़ रहे दो इंडिगो विमान में सवार 430 यात्रियों की जान बच गई। बताया जा रहा है कि बेंगलुरु एयरपोर्ट से 7 जनवरी को उड़ान भरने वाली दो इंडिगो फ्लाइट आसमान में एक-दूसरे के काफी करीब आ गए थे और लगभग टकराने वाले थे। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को जैसे ही मालूम हुआ कि इंडिगो के दो विमान - 6ई455 (बेंगलुरु से कोलकाता) और 6ई246 (बेंगलुरु से भुवनेश्वर) एक-दूसरे के सामने आ रहे हैं तभी उन्होंने दोनों पायलट को दिशा बदलने का आदेश दिया। एक पायलट ने विमान दाईं तरफ घुमाया तो दूसरे ने बाईं तरफ। लोकेंद्र सिंह की जबरदस्त मुस्तैदी की काफी तारीफ हो रही है और समय रहते बड़ा हादसा होने से टल गया। जांच में सामने आया है कि दोनों एयरक्राफ्ट में लगा ट्रैफिक कोलाइजन अवॉइडेंस सिस्टम (टीसीएएस) लेटेरल सैपरेशन के कारण बंद नहीं हुआ था। वहीं दोनों पायलट खतरे से अंजान थे क्योंकि उन्हें अलग-अलग कंट्रोलर की ओर से डायरेक्शन मिल रहे थे। घटना को किसी लॉगबुक में दर्ज नहीं किया गया था और न ही भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने इसकी सूचना दी थी। इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय प्रमुख अरुण कुमार ने बताया कि विमानन नियामक घटना की जांच कर रहा है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

भाजपा से टिकट कटते ही उत्पल पर्रिकर को केजरीवाल का न्यौता

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार 20 जनवरी को गोवा के पूर्व सीएम मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल को पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। केजरीवाल की ओर से यह आमंत्रण बीजेपी की ओर से उत्पल को टिकट नहीं दिए जाने के फैसले के बाद दिया गया है। केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा %गोवावासियों को बहुत दुख होता है कि भाजपा ने पर्रिकर परिवार के साथ भी यूज एंड थ्रो नीति अपनाई है। मैंने हमेशा मनोहर पर्रिकर जी का सम्मान किया है। उत्पल जी का आप के टिकट पर चुनाव में शामिल होने और लडने के लिए स्वागत है। गोवा में विधानसभा चुनाव को देखते हुए उत्पल ने पहले से ही मैदान में उतरने के लिए कमर कस ली थी। यहां तक कि वो अपने पिता के प्रतिनिधित्व वाले पंजिम निर्वाचन क्षेत्र में डोर-डू-डोर बैठकें शुरू कर दी थी। 2019 में मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद, बीजेपी ने सीट से एक युवा उम्मीदवार सिद्धार्थ कुनकलेलिंकर को मैदान में उतार था। भारतीय जनता पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए अपने 34 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। प्रदेश की कुल 40 सीटों में अब 6 उम्मीदवारों पर ही फैसला होना बाकी है। सबसे अहम बात यह है कि पार्टी ने पणजी सीट से आटांसियो मोंसेराते को ही टिकट दिया है।

भारत में कोविड 19 मामलों में तेज उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि दुनिया इस समय कोरोना की चौथी लहर से गुजर रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वर्तमान में विश्व में कोविड की चौथी लहर देखी जा रही है, पिछले 1 सप्ताह में प्रतिदिन 29 लाख मामले दर्ज किए गए। पिछले 4 सप्ताह में अफ्रीका में कोविड मामले घट रहे हैं। एशिया में कोविड मामले बढ़े हैं। यूरोप में भी मामले घट रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत में वर्तमान में लगभग 19 लाख सक्रिय मामले हैं, पिछले एक सप्ताह में प्रतिदिन लगभग 2,71,000 मामले दर्ज़ किए जा रहे हैं। पॉजिटिविटी रेट 16% है। पिछले 24 घंटों में 3,17,000 मामले दर्ज़ किए गए। 1 जनवरी को सिर्फ 22 हज़ार मामले दर्ज़ किए गए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को भारत में कोविड-19 महामारी की दूसरी और तीसरी लहर के बीच तुलना की और मृतक संख्या और टीकाकरण के कवरेज में अंतर के बारे में बताया। पहली बार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने वर्तमान उछाल को देश में महामारी की तीसरी लहर करार दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, पिछले 4 दिनों में प्रतिदिन कोविड टेस्ट को लगातार बढ़ाया गया है। पिछले 24 घंटों में लगभग 19 लाख टेस्ट किए हैं। महाराष्ट्र में साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 2% से बढ़कर 22% हो गई है। कर्नाटक में पॉजिटिविटी 4 सप्ताह पहले 0.5% थी जो अब 15त्न हो गई है। उन्होंने कहा, केरल में पॉजिटिविटी रेट 32% है। दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 30त्न है और उत्तर प्रदेश में 6त्न से कुछ अधिक है। देश में 11 राज्य ऐसे हैं जहां 50 हज़ार से ज्यादा सक्रिय मामले हैं, 13 राज्यों में 10-50 हज़ार के बीच सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव ने बताया कि कोविड की दूसरी लहर की तुलना में तीसरी लहर में सक्रिय मामलों की तुलना में होने वाली मृत्यु बहुत घट गई हैं। दूसरी लहर के दौरान वैक्सीनेटेड आबादी 2% थी, अब तीसरी लहर के दौरान वैक्सीनेटेड आबादी 72त्न है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, दिल्ली और राजस्थान दैनिक मामलों की अधिकतम संख्या में योगदान देने वाले शीर्ष राज्य हैं।

19 जनवरी को समाप्त सप्ताह में, भारत में 515 जिले हैं जहां साप्ताहिक मामले की संक्रमण दर 5% से अधिक है। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा, 30 अप्रैल, 2021 को जब देश में दूसरी लहर अपने चरम पर थी, तब 3,86,452 नए मामले, 3,059 मौतें और 31,70,228 सक्रिय मामले थे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com